PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-02 ● अंक- 27 ● भिलाई, गुरुवार 13 अगस्त 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

वाराणसी घूमने आए महाराष्ट्र के कारोबारी की होटल में मौत

वाराणसी। वाराणसी में घूमने आए महाराष्ट्र के कारोबारी की मौत के बाद उसकी पत्नी और बेटे ने सुसाइड कर लिया. यह परिवार महाराष्ट्र से 7 अगस्त को बनारस पहुंचा था. यहां तीन दिनों तक उन्होंने गंगा स्नान किया और बाबा विश्वनाथ का दर्शन कर काशी का भ्रमण किया. इस दौरान 9 अगस्त की देर रात होटल में अचानक से कारोबारी की तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उसे बीएचयू के ट्रॉमा सेंटर में ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत्यु घोषित कर दिया. दूसरे दिन परिजनों ने हरिश्चंद्र घाट पर अंतिम संस्कार कर दिया. इसके बाद मां बेटे होटल लौट आए, जहां दोनों ने सुसाइड कर लिया. बता दें कि, मृतक कारोबारी का नाम विशाल मुखर्जी है जो कि, महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले का रहने वाला था. विशाल पुश्तैनी कारोबार संभालते थे. चार दिन की काशी यात्रा पर इनका पूरा परिवार वाराणसी आया था. जानकारी के अनुसार पति का अंतिम संस्कार करके लौटी पत्नी और बेटे ने जब काफी देर तक दरवाजा नहीं खोला तो, होटल के मैनेजर को शक हुआ।

पुणे-सतारा हाईवे पर कार ट्रक से टकराई, चार युवकों की दर्दनाक मौत

शिरवल। महाराष्ट्र में शिरवल के पास पुणे-सतारा हाईवे पर हुए एक भयानक सड़क दुर्घटना में चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए. शुरुआती रिपोर्ट से पता चला है कि, यह भयानक हादसा तब हुआ जब ड्राइवर ने कार पर से अपना नियंत्रण खो दिया और वाहन हाइवे के डिवाइडर से टकराकर पलट गई. टक्कर इतनी जोरदार थी कि, पलटी हुई कार दूसरे लेन में चली गई और सामने से आ रहे ट्रक से सीधे टकरा गई. टक्कर में कार पूरी तरह से चकनाचूर हो गई. हादसा इतना भयानक था कि, कार में बैठे चार लड़कों की मौके पर ही मौत हो गई. वहीं ,दो अन्य घायल हो गए. कार पुणे से सतारा की ओर जा रही थी. यह घटना शिरवल में होटल शिवालय के सामने सुबह करीब 1ः10 बजे हुई. मरने वालों में तलेगांव दाभाड़े के वेदांत अर्जुन वारिंगे (19), कामशेत के सोनलिंग धीरेंद्र ठाकुर (19), तकवे के आदित्य बालासाहेब गरुड़ (19) और कामशेत के निखिल बालू राउत (20) शामिल हैं.

पप्पू यादव की सुरक्षा बढ़ाए सरकार, ये नहीं कह सकते कि उन पर हमला मनगढ़ंत था

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को बिहार से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव की सुरक्षा लिए एक अतिरिक्त पर्सनल सिक्योरिटी अफसर (पीएसओ) उपलब्ध कराने का आदेश दिया है. जस्टिस मनोज जैन की बेंच ने कहा कि ये पीएसओ पप्पू यादव की सुरक्षा में तब तक रखा जाएगा तब तक सरकार यादव की सुरक्षा पर कोई फैसला नहीं कर लेती. सुनवाई के दौरान पप्पू यादव की ओर से पेश वकील शादान फरासत ने कहा कि उन्होंने राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले में संसद के बाहर एक नाटक किया था।

मुख्यमंत्री ने राजस्व मंत्री एवं उनके परिजनों को दी गृह प्रवेश और हरेली तिहार की शुभकामनाएं

किसानों की समृद्धि से ही समृद्ध होगा छत्तीसगढ़-मुख्यमंत्री साय

■ किसान प्रदेश की प्रगति की धुरी, उनकी आय बढ़ाने के लिए सरकार निरंतर कर रही काम

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज हरेली तिहार के पावन अवसर पर नवा रायपुर में राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा के नवीन शासकीय आवास में आयोजित गृह प्रवेश समारोह एवं हरेली उत्सव में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने श्री वर्मा एवं उनके परिजनों को नवीन आवास में गृह प्रवेश की बधाई देते हुए उनके सुखी, समृद्ध और मंगलमय जीवन की कामना की। उन्होंने उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों को भी छत्तीसगढ़ के प्रथम लोक पर्व हरेली की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हरेली जैसे शुभ अवसर पर राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा का नवीन शासकीय आवास में गृह प्रवेश इस अवसर को और भी विशेष बनाता है। हरेली हमारी कृषि संस्कृति, प्रकृति और ग्रामीण जीवन से गहराई से जुड़ा पर्व है। किसान इस दिन कृषि औजारों और गौवंश की पूजा कर प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं तथा अच्छी वर्षा, भरपूर फसल और परिवार की खुशहाली की कामना करते हैं। यह पर्व छत्तीसगढ़ की उस समृद्ध परंपरा का प्रतीक है, जिसमें प्रकृति,

खेती और लोकजीवन एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था और ग्रामीण जीवन का मजबूत आधार खेती-किसानी है। किसान प्रदेश की प्रगति की धुरी हैं और उनकी समृद्धि में ही छत्तीसगढ़ की समृद्धि निहित है। राज्य सरकार किसानों की आमदनी बढ़ाने, खेती को लाभकारी बनाने और कृषि क्षेत्र में नई संभावनाओं के विस्तार के लिए निरंतर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिलाना सरकार की प्राथमिकता है। प्रदेश में किसानों से 3,100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक धान की खरीदी की जा रही है। इससे किसान परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिली है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि खेती की उत्पादकता बढ़ाने के लिए सिंचाई सुविधाओं का विस्तार भी तेजी से किया जा रहा है। हमारा प्रयास है कि अधिक से अधिक कृषि क्षेत्र को सुनिश्चित सिंचाई की सुविधा मिले, जिससे किसान वर्षा पर निर्भरता कम कर बेहतर उत्पादन प्राप्त कर सकें। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए केवल परंपरागत खेती तक सीमित रहने के बजाय उन्हें कृषि से जुड़ी सहायक और आयमूलक गतिविधियों से जोड़ने पर भी जोर दिया जा रहा है।

हरेली से शुरू होता है छत्तीसगढ़ के पर्वों का सिलसिला-रमन सिंह

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने प्रदेशवासियों को हरेली तिहार की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हरेली छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति और कृषि परंपरा का महत्वपूर्ण पर्व है। हरेली के साथ ही प्रदेश में तीज-त्योहारों का उल्लासपूर्ण सिलसिला प्रारंभ हो जाता है। आज पूरा छत्तीसगढ़ हरेली के रंग में रंगा हुआ है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सिंह ने कहा कि इस वर्ष अच्छी बारिश से किसानों में उत्साह है और बेहतर फसल की उम्मीद जगी है। उन्होंने ईश्वर से कामना की कि प्रदेश के खेत-खलिहान अच्छी फसल से लहलहाएं, किसानों के घरों में खुशहाली आए और छत्तीसगढ़ निरंतर प्रगति करे। उन्होंने राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा एवं उनके परिजनों को नवीन शासकीय आवास में गृह प्रवेश के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

अभिजीत दीपके का बड़ा ऐलान

जल्द शुरू होने जा रहा जंतर-मंतर का सीजन-2

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक के मुद्दे को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर चुकी कॉकरोच जनता पार्टी ने एक बार फिर आंदोलन की तैयारी के संकेत दिए हैं। सीजेपी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने बुधवार को कहा कि जंतर-मंतर प्रदर्शन का 'सीजन 2' जल्द शुरू होने वाला है। अभिजीत दीपके ने कहा कि सोशल मीडिया पर लगातार लोग उनसे पूछ रहे थे कि जंतर-मंतर का अगला प्रदर्शन कब होगा। उन्होंने कहा, बहुत से लोग इंस्टाग्राम पर कमेंट कर रहे थे कि 'जंतर-मंतर' का सीजन 2 कब शुरू होगा। मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि 'जंतर-मंतर' का सीजन 2

बहुत जल्द शुरू होने वाला है। सीजेपी फाउंडर के मुताबिक, बुधवार को दिल्ली में पार्टी के वॉलंटियर्स की बैठक प्रस्तावित थी। हालांकि, उन्होंने दावा किया कि बैठक के लिए हॉल बुक करने में उन्हें काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

ट्रिपल मर्डर केस

साल बाद कोर्ट ने सुनाया फैसला,पांच आरोपियों को उम्रकैद की सजा,महिलाओं ने आरोपियों को चप्पल फेंककर मारा.....

धमतरी। धमतरी के बहुचर्चित ट्रिपल मर्डर केस में अदालत ने करीब एक साल बाद अपना फैसला सुनाया है। अपर सत्र न्यायाधीश मोहन कोर्राम ने मामले में 8 आरोपियों में से 5 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। जानकारी के मुताबिक, 12 अगस्त 2025 की रात धमतरी के एक ढाबे में मामूली विवाद के बाद रायपुर के तीन युवकों की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। एक ही रात में तीन लोगों की हत्या की इस वारदात ने पूरे प्रदेश में सनसनी फैला दी थी। मामले में पुलिस ने कुल 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। अदालत ने मामले में पांच आरोपियों को हत्या के आरोप में आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। वहीं एक आरोपी को आर्म्स एक्ट के तहत 3 साल की सजा दी गई है।

इसके अलावा बलवा के आरोप में सभी आरोपियों को 2 साल और मारपीट के मामले में 6 माह की सजा सुनाई गई है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि सभी सजाएं एक साथ चलेंगी। ट्रिपल हत्याकांड फैसले के बाद कोर्ट के बाहर मृतकों के परिजनों ने जमकर हंगामा मचाया। महिलाओं ने आरोपियों को चप्पल फेंककर मारा। उनका कहना है कि आरोपियों को उम्रकैद नहीं फांसी की सजा होनी चाहिए। इस दौरान पुलिस ने सभी आरोपियों को किसी तरह बचाकर गाड़ी से जेल के लिए रवाना किया।

एक साल से फैसले का था इंतजार

ट्रिपल मर्डर की इस घटना के बाद से ही मृतकों के परिजन और धमतरी की जनता अदालत के फैसले का इंतजार कर रही थी। करीब एक साल तक चले न्यायिक प्रक्रिया के बाद बुधवार को फैसला आया। बता दें कि मामूली विवाद से शुरू हुई इस घटना में तीन युवकों की निर्मम हत्या ने धमतरी समेत पूरे प्रदेश को झकझोर दिया था। मामले की गंभीरता के चलते यह ट्रिपल मर्डर केस लंबे समय तक प्रदेश में चर्चा का विषय बना रहा।

नोएल टाटा से मतभेद बनी वजह

टाटा संस... के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली/ एजेंसी

टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने इस्तीफा दे दिया है। चंद्रशेखरन का यह फैसला 18 अगस्त को होने वाली टाटा संस की एजीएम से ठीक पहले आया है।हालांकि वे तुरंत इस पद नहीं छोड़ेंगे। उनका मौजूदा कार्यकाल फरवरी 2027 तक है। तब तक चेयरमैन के पद पर बने रहेंगे। 63 साल के चंद्रशेखरन ने अपने इस फैसले की जानकारी टाटा सन्स के बोर्ड को दे दी है।एन चंद्रशेखरन ने अपना इस्तीफा टाटा ट्रस्ट्स के

चेयरमैन नोएल टाटा से मतभेद के बाद दिया है। नोएल टाटा एन चंद्रशेखरन के के कार्यकाल के विस्तार के खिलाफ थे। इसके बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया है। हालांकि एन चंद्रशेखरन अपना कार्यकाल खत्म करने बाद हटेंगे।बता दें कि चंद्रशेखरन 2017 में टाटा संस के चेयरमैन बने थे। वे टाटा परिवार से बाहर के पहले ऐसे पेशेवर मैनेजर थे, जिन्होंने इस समूह की कमान संभाली। उनके कार्यकाल में टाटा ग्रुप का रेवेन्यू दोगुने से ज्यादा बढ़ा। टीसीएस के प्रमुख रहे चंद्रशेखरन ने टाटा संस की कमान संभालने के बाद ग्रुप को एविएशन एयर इंडिया का अधिग्रहण, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग, बैटरी और डिजिटल बिजनेस जैसे नए क्षेत्रों में उतारा। इसी का नतीजा है कि वित्त वर्ष 2020 में ग्रुप का रेवेन्यू 7.89 लाख करोड़ था, जो वित्त वर्ष 2026 में बढ़कर 16.24 लाख करोड़ हो गया।

झारखंड के मंत्री इरफान अंसारी का बड़ा आरोप, कहा- मुख्यमंत्री सोरेन की हत्या की थी साजिश

रांची। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आवास के पास धरने पर बैठे भाजपा विधायकों को लेकर गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि यह धरना-प्रदर्शन महज एक विरोध प्रदर्शन नहीं, बल्कि मुख्यमंत्री को जान से मारने की एक साजिश थी। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री सोरेन उस समय अपनी पत्नी और बच्चों के साथ घर के अंदर ही मौजूद थे। उन्होंने पूरी घटना को लेकर मुख्यमंत्री की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। अंसारी ने कहा, कल हमारे लोकप्रिय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बाल-बाल बच गए। भाजपा के विधायक लोग, सदन यहां चल रहा है।

पूर्व राष्ट्रपति कोविंद की आत्मकथा का विमोचन

पीएम मोदी बोले-मैं आज भी मां की कमी महसूस करता हूं.

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की आत्मकथा का विमोचन किया। इस मौके पर पीएम मोदी ने कोविंद के जीवन संघर्ष, उनकी सादगी और सार्वजनिक जीवन में योगदान की जमकर सराहना की। कार्यक्रम के दौरान जब उन्होंने अपनी मां का जिक्र किया तो उनका भावुक पक्ष भी सामने आया। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की आत्मकथा का नाम ÒTriumph of the Indian RepublicÑ My Life, My

StrugglesÓ है। किताब में उनके बचपन और शुरुआती जीवन से लेकर सार्वजनिक जीवन और देश के 14वें राष्ट्रपति के रूप में उनके कार्यकाल तक के अनुभवों को समेटा गया है। पुस्तक के विमोचन के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति के तौर पर रामनाथ कोविंद का मार्गदर्शन, स्नेह और आत्मीयता उनके लिए बड़ी पूंजी रही है। उन्होंने कहा कि कोविंद का जीवन संघर्षों के बीच आगे बढ़ने और परिस्थितियों को अवसर में बदलने की प्रेरणा देता है। पीएम मोदी ने कहा कि उन्होंने रामनाथ कोविंद के जीवन और उनकी कार्यक्षमताओं को करीब से समझा है। उनके मुताबिक, कोविंद की आत्मकथा सिर्फ उनके व्यक्तिगत जीवन की कहानी नहीं है, बल्कि यह भारतीय लोकतंत्र और समाज के लिए महत्वपूर्ण धरोहर साबित हो सकती है।

विपक्ष के विरोध पर गृह मंत्री शाह की दो टूक

मैं कल तीन बजे सभी सवालों का जवाब दूंगा-गृहमंत्री अमित शाह

नई दिल्ली/ एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को एक पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने हाल ही में दिल्ली में पेपर लीक को लेकर हुए छात्र आंदोलन और 21 जुलाई को संसद तक निकाले गए मार्च के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई पर निचले सदन में चर्चा कराने की मांग की। यह घटनाक्रम उस समय सामने आया है, जब शाह ने संसद में जारी गतिरोध को खत्म करने के लिए विपक्ष को चर्चा के लिए 24 घंटे की समयसीमा का प्रस्ताव दिया था। उन्होंने कहा था कि वे विपक्ष द्वारा उठाए गए सभी सवालों का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। शाह ने बताया कि वे इस चर्चा में हिस्सा लेने के लिए बुधवार दोपहर 3 बजे से गुरुवार दोपहर 3 बजे तक सदन में मौजूद रहेंगे। संसद परिसर के बाहर मीडियाकर्मियों से बातचीत में गृह मंत्री ने विपक्षी दलों से आग्रह किया कि वे दोपहर 2 बजे तक लोकसभा अध्यक्ष को पत्र सौंप दें, जिसके बाद दोपहर 3 बजे से चर्चा शुरू की जा सके। उन्होंने कहा कि वे विपक्ष द्वारा उठाए गए हर मुद्दे का जवाब देने के लिए रातभर बहस जारी रखने और गुरुवार दोपहर 3 बजे तक सदन में मौजूद रहने के लिए भी तैयार हैं। अमित शाह ने कहा, संसदीय चर्चाओं के लिए स्थापित नियम और प्रक्रियाएं हैं। इतने गंभीर मुद्दे पर सिर्फएक बयान के जरिए चर्चा नहीं की जा सकती। संसद में चर्चाएं विस्तार से होती हैं। उन्होंने आगे यह भी कहा कि अगर लोकसभा अध्यक्ष अनुमति दें, तो वे

प्रश्नकाल को स्थगित करने के लिए भी तैयार हैं। सोमवार को संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने ऐलान किया था कि सरकार देशभर में हुए छात्र आंदोलन और पुलिस कार्रवाई पर लोकसभा में पूर्ण चर्चा कराने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा था कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस बहस का जवाब देंगे, बशर्ते विपक्ष कार्यवाही में व्यवधान न डालने और चर्चा को शांतिपूर्वक सुनने पर सहमत हो। विपक्ष द्वारा इस मुद्दे पर चर्चा के लिए समय की पहले की मांग का हवाला देते हुए शाह ने कहा कि वे पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि वे संसद में सभी सवालों के जवाब देने के लिए तैयार हैं। हालांकि उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष ही इस चर्चा को होने देने के लिए तैयार नहीं है। शाह ने कहा, लेकिन वे बस यह चर्चा होने ही नहीं देना चाहते। अब जनता ही तय करे कि असल में भाग कौन रहा है। उन्होंने आगे यह भी जोड़ा कि वे इस बात पर भी चर्चा के लिए तैयार हैं कि आखिर विपक्ष इस मुद्दे पर संसद में बहस क्यों नहीं चाहता। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार हर मुद्दे पर चर्चा करने के लिए तैयार है। अमित शाह के इस बयान के तुरंत बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि विपक्ष को संसद में गृह मंत्री का लेक्चर सुनने में कोई दिलचस्पी नहीं है। गांधी ने कहा कि देश की युवा पीढ़ी यह जानना चाहती है ।

जनता तय करे चर्चा से कौन भाग रहा

चर्चा को लेकर शाह ने कहा कि हमारे संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने साफकर दिया है कि सरकार नीट परीक्षाओं के विरोध को लेकर पूरी चर्चा के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, हमने चर्चा के लिए समय तय करने और विपक्ष के तैयार रहने की बात कही थी। यह उनकी शुरुआती मांग थी और हमने इसे मान लिया था। शाह ने कहा, मैंने भी कहा है कि मैं संसद में किसी भी सवाल का जवाब देने के लिए तैयार हूं। लेकिन वे चर्चा ही नहीं होने देना चाहते। उन्होंने कहा, अब जनता तय करे कि भाग कौन रहा है। शाह ने विपक्ष से कहा कि वह आज दोपहर तीन बजे तक लोकसभा अध्यक्ष को एक पत्र दे। उन्होंने कहा कि सरकार आज दोपहर तीन बजे से कल दोपहर तीन बजे तक हर पहलू पर चर्चा के लिए तैयार है। शाह ने कहा, मैं सदन में बैठूंगा। मैं सभी की बात सुनूंगा और हर मुद्दे का जवाब दूंगा।

अल्ट्राटेक रावन नीर तरंग महिला मंडल द्वारा किया गया पौधारोपण

बलौदाबाजार। नीर तरंग महिला मंडल की अध्यक्ष नीतू सिंह के कुशल मार्गदर्शन में सावन माह के पावन अवसर पर ग्रासिम विहार कॉलोनी परिसर में एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कॉलोनीवासियों को हरियाली, स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम में NTMM की सदस्य सुतापा साहा, अनीता जेना, कविता गुप्ता, कमलेश परिहार, स्मृति घुरंधर, संपदा जोशी, दीपा प्रसाद, राखी जैन एवं विभा प्रसाद सहित अन्य सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए पौधारोपण किया। इस अवसर पर पर्यावरण विभाग से संजय यादव एवं सूनिल त्रिपाठी एवं बागवानी टीम की अदिति साहू तथा अमरनाथ यदु ने भी उपस्थित होकर पौधारोपण एवं हरित क्षेत्र के विकास में सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के दौरान लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प लिया गया। महिला मंडल की सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ वायु, जैव विविधता एवं पर्यावरण संतुलन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी जिम्मेदारीपूर्वक देखभाल करने का आह्वान किया। इस पर्यावरण हितैषी पहल से कॉलोनी परिसर में हरियाली बढ़ाने के साथ-साथ सामाजिक एकता, सहभागिता एवं पर्यावरण के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को भी प्रोत्साहन मिला। कॉलोनीवासियों ने NTMM की इस पहल की सराहना की। कार्यक्रम के समापन पर NTMM अध्यक्ष नीतू सिंह ने सभी से अपील करते हुए एक पौधा एक जिम्मेदारी, हरियाली से खुशहाली का संदेश दिया । NTMM ने भविष्य में भी सामाजिक सरोकार एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यक्रमों को निरंतर आयोजित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ने धमतरी से मासूल तक निकाली तिरंगा यात्रा

धमतरी। यूथ हॉस्टल एसोसिएशन धमतरी इकाई की ओर से देशभक्ति और पर्यावरण संरक्षण का अनूठा संदेश देखने को मिला। एसोसिएशन द्वारा धमतरी से मासूल वॉटरफॉल तक मानसून ट्रैकिंग का आयोजन किया गया। इस दौरान तिरंगा यात्रा भी निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में सदस्यों ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति का जज्बा दिखाया। यूथ हॉस्टल एसोसिएशन द्वारा समय समय पर सामाजिक, सांस्कृतिक, पर्यावरण से संबंधित गतिविधियां संचालित की जाती है। मानसून आते ही पर्यावरण के संरक्षण के लिए पौधरोपण सहित सीड बाल निर्माण का कार्य किया गया। 15 अगस्त के पहले एसोसिएशन ने मासूल वॉटरफॉल गुरूर रेंज तक तिरंगा यात्रा कम मानसून ट्रैकिंग का आयोजन किया गया। यूथ हॉस्टल एसोसिएशन का यह आयोजन युवाओं को प्रकृति, फिटनेस और राष्ट्रप्रेम से जोड़ने की दिशा में एक सकारात्मक पहल के रूप में सामने आया। एसोसिएशन के अध्यक्ष हुकुमचंद जैन ने बताया इस ट्रैकिंग कार्यक्रम में रायपुर, भिलाई सहित धमतरी जिले के यूथ हॉस्टल एसोसिएशन के सदस्य शामिल हुए। प्राकृतिक वादियों के बीच सदस्यों ने ट्रैकिंग का आनंद लिया और युवाओं को फिटनेस के साथ प्रकृति से जुड़ने का संदेश दिया। यूथ हॉस्टल के वरिष्ठ योगेश गुप्ता ने बताया कि ट्रैकिंग के दौरान पर्यावरण संरक्षण को लेकर भी पहल की गई। सदस्यों ने रास्ते में सीड बॉल का रोपण किया, ताकि आने वाले समय में इन क्षेत्रों में हरियाली को बढ़ावा मिल सके। सीड बॉल के जरिए पौधों को प्राकृतिक रूप से विकसित करने का प्रयास किया गया। तिरंगे के साथ निकली इस यात्रा ने जहां देशभक्ति का संदेश दिया, वहीं सीड बॉल के रोपण के जरिए पर्यावरण बचाने का संकल्प भी नजर आया। ट्रेकिंग में हुकुमचंद मित्री, योगेश गुप्ता, वेंकटेश्वर साहू, डॉ भूपेंद्र साहू, दीक्षा साहू, डॉ भूपेंद्र सोनी, रवि कृष्णानी, तेजप्रकाश रिगरी, भारत पांडे, मनोज देवान, घनश्याम साहू, भूपेश चौधरी, डॉ शेषनारायण चंद्राकर, नीरज शुक्ला, अनुष्का शुक्ला, अर्जुन शुक्ला, तूलिका शुक्ला, श्रेया साहू, आकाश चंद्राकर, इनाया वर्मा, घनश्याम साहू, टिक्की निर्मलकर, सुनील गुरनानी, नरेश मखीजा, रमेश मित्री, एकता सिंह, डॉ शक्ति वर्मा, डॉ प्रीति वर्मा, सुधीर अवधिया, कल्पना अवधिया, राजेश मराठे, मराठे, गोपाल ताम्रकार, कमलेश कोठारी, नरेंद्र गोलछा, अनीता गोलछा, किरण सोनवानी, डॉ धर्मेंद्र सिन्हा, जय गोलछा, पुखराज साहू, बीरबल डहरे आदि शामिल रहे।

आरसेटी में हुआ 35 दिवसीय जूनियर ब्यूटी प्रैक्टिशनर प्रशिक्षण सम्पन्न

बलौदाबाजार। एसबीआई ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी), बलौदाबाजार में द35 दिवसीय जूनियर ब्यूटी प्रैक्टिशनर प्रशिक्षण कार्यक्रम के बैच का असेसमेंट एवं फेयरवेल कार्यक्रम उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 28 प्रशिक्षणार्थियों ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को सौंदर्य एवं व्यक्तिगत देखभाल के क्षेत्र में आवश्यक व्यावहारिक एवं तकनीकी कौशल प्रदान किए गए। प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण अवधि के दौरान अर्जित ज्ञान, कौशल एवं अनुभवों को साझा करते हुए स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ने तथा आत्मनिर्भर बनने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। असेसमेंट कार्यक्रम का संचालन आरसेटी राज्य नियंत्रक, छत्तीसगढ़ अरूण कुमार सोनी के मार्गदर्शन में ईडीपी असेसर कुमुद महेश्वर शुक्ला एवं डोमेन असेसर पूनम पाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर आरसेटी निदेशक बैजनाथ कुमार, अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम) शिव कुमार कंवर, प्रशिक्षक पूनम राजपूत सहित आरसेटी के समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी नागरिकों की समस्याएं

गरियाबंद। कलेक्टर बीएस उइके ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन में जिले के शहरी, ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं, मांगें एवं शिकायतें सुनीं। उन्होंने प्रत्येक आवेदन का गंभीरतापूर्वक अवलोकन करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को नियमानुसार एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में कुल 33 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से कुछ प्रकरणों का मौके पर ही समाधान किया गया, जबकि शेष आवेदनों को संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्धारित समय-सीमा के भीतर करने के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत मर्दाकला के दिलीप कुमार मरकाम ने जाति प्रमाण पत्र बनाने के लिए आवेदन सौंपा। इसी प्रकार काटीदादर के योगेन्द्र कुमार ठाकुर ने उचित न्याय दिलाने के लिए, ग्राम दुल्ला के डेहरराम चक्रधारी ने पीएम आवास के लिए स्थान मुहैया कराने के लिए, ग्राम बरबहाली के हीरालाल ने राजस्व रिकार्ड में नाम सुधार कराने के लिए आवेदन सौंपा। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर चंद्राकर, अपर कलेक्टर पंकज डाहिरे सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

गांवों में विकास योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्राथमिकता : जयंत नाहटा

धमतरी। जिले में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा विकास कार्यों की जमीनी स्थिति का जायजा लेने के उद्देश्य से जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जयंत नाहटा ने कुरुद एवं मगरलोड विकासखण्ड के ग्राम पंचायत कोकड़ी, भेण्डरी और कुण्डेल का मैदानी निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न शासकीय संस्थानों, महिला स्व.सहायता समूहों की आजीविका गतिविधियों तथा ग्रामीण विकास कार्यों का अवलोकन कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा.निर्देश दिए। सीईओ नाहटा ने कहा कि ग्रामीण विकास केवल निर्माण कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा, पोषण, कृषि, महिला सशक्तिकरण, रोजगार और आजीविका को एक.दूसरे से जोड़कर समग्र विकास सुनिश्चित करना जरूरी है। उन्होंने विभागीय योजनाओं के प्रभावी अभिसरण के माध्यम से उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करने तथा योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समयबद्ध रूप से पहुंचाने पर जोर दिया। ग्राम कोकड़ी में सीईओ ने उचित मूल्य दुकान का निरीक्षण कर उपलब्ध खाद्यान्न, राशन वितरण व्यवस्था और हितग्राहियों की जानकारी ली। उन्होंने एपीएल, बीपीएल एवं अंत्योदय राशन कार्डधारियों को निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न समय पर उपलब्ध कराने तथा सार्वजनिक वितरण प्रणाली में पारदर्शिता और नियमितता बनाए रखने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने कृषि साख सहकारी समिति का निरीक्षण किया। आगामी धान खरीदी की तैयारियों, किसानों के एग्रीस्टैक से संबंधित कार्यों तथा रासायनिक खाद की उपलब्धता की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि खरीफ सीजन में किसानों को आवश्यक कृषि आदान समय पर उपलब्ध होना चाहिए। किसानों को खाद प्राप्त करने में अनावश्यक परेशानी न हो, इसके लिए समिति प्रबंधन को समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सीईओ ने चल चरखा महिला प्रशिक्षण एवं रोजगार केन्द्र का निरीक्षण किया। यहां महिलाओं द्वारा हथकरघा, खादी एवं हस्तनिर्मित वस्तुओं के निर्माण की गतिविधियों का अवलोकन किया। उन्होंने महिलाओं से प्रशिक्षण एवं रोजगार के संबंध में जानकारी लेते हुए अधिक से अधिक महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार से जोड़ने के निर्देश दिए। केन्द्र में पेयजल की समुचित व्यवस्था के लिए पीएचई विभाग को आवश्यक कार्रवाई करने कहा। मल्टीयूटीलिटी सेंटर नारी में सहजसूत महिला किसान बुनकर द्वारा संचालित आजीविका गतिविधियों का भी अवलोकन किया। यहां महिलाओं द्वारा तैयार की जा रही साड़ी एवं मिट्टी शिल्प उत्पादों को देखा और उत्पादन, गुणवत्ता तथा बाजार की संभावनाओं की जानकारी ली। उन्होंने एनआरएलएम के माध्यम से इन गतिविधियों को व्यापक स्तर पर बढ़ावा देने के लिए डीपीआर तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही स्थानीय संसाधनों और महिलाओं की दक्षता के अनुरूप प्रशिक्षण, पैकेजिंग, ब्रांडिंग एवं विपणन की व्यवस्था विकसित करने पर जोर दिया। ग्राम भेण्डरी के आंगनबाड़ी केन्द्र में सीईओ ने बच्चों से आत्मीय संवाद किया और उनसे नाम, भोजन तथा केन्द्र में मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता से बच्चों की उपस्थिति, पोषण आहार एवं केन्द्र की व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने विशेष रूप से मध्यम कुपोषित बच्चों की नियमित निगरानी करने तथा आवश्यकता होने पर उन्हें पोषण पुनर्वास केन्द्र में भर्ती कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों का पोषण और स्वास्थ्य सर्वोच्च प्राथमिकता है। आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों के लिए सुरक्षित, स्वच्छ और सीखने के अनुकूल वातावरण विकसित किया जाएए ताकि उनका शारीरिक एवं मानसिक विकास बेहतर ढंग से हो सके।

शासकीय माध्यमिक विद्यालय भेण्डरी के निरीक्षण के दौरान उन्होंने भवन में सीलन की समस्या का जायजा लिया और इसके स्थायी समाधान के लिए ग्रामीण यांत्रिकी सेवा उपसंभाग मगरलोड को रिटेनिंग वॉल निर्माण की दिशा में कार्रवाई करने के निर्देश दिए। विद्यालय में अतिरिक्त कक्ष की आवश्यकता को देखते हुए वीबी.जी राम जी योजना के तहत प्राक्कलन तैयार करने कहा। इस दौरान छात्राओं, जनप्रतिनिधियों एवं शिक्षकों की उपस्थिति में सीईओ ने स्मार्ट क्लास का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि डिजिटल तकनीक विद्यार्थियों के लिए शिक्षा को अधिक रुचिकर एवं प्रभावी बनाने में सहायक है। स्मार्ट क्लास के माध्यम से कठिन विषयों को दृश्य एवं डिजिटल माध्यम से सरलता से समझाया जा सकता है। उन्होंने विद्यालय में अतिरिक्त कक्ष एवं प्रार्थना स्थल के लिए शेड निर्माण कराने तथा उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग के लिए 16वें वित्त आयोग की राशि सहित विभिन्न योजनाओं के अभिसरण से कार्य कराने के निर्देश दिए। विद्यालय परिसर में नारियल पौधे का रोपण करते हुए उन्होंने विद्यार्थियों और शिक्षकों से पौधों की नियमित देखभाल करने तथा परिसर को हराभरा बनाने का आह्वान किया।

सावन की शक्ति और भक्ति से अध्यात्म को मिलती है नई ऊंचाई-राजेंद्र शर्मा

धमतरी। सावन माह की दूसरे सोमवार को रुद्रेश्वर घाट में विशेष पूजा अर्चना करते हुए बोल बम कांवरिया संघ द्वारा महानदी की गंगा आरती उतारी गई जिसमें नगर निगम के पूर्व सभापति राजेंद्र शर्मा, पार्षदगण पिन्टू यादव, कुलेश सोनी, अखिलेश सोनकर, शैलेश रजक, शामिल रहे। विशेष पूजा अर्चना में भागवा वस्त्र धारण कि कांवरियों का जत्था अध्यात्म एवं भक्ति की अलग छटा बिखेर रहा था। इस विशेष अवसर पर राजेंद्र शर्मा ने कहा कि सावन की भक्ति से हमारा धर्म और अध्यात्म एक नई ऊंचाई को प्राप्त करता है और यहीं से आपसी प्रेम सद्भाव की भावना भी जागृत होती है। इसीलिए धर्म की धरती का ऐसा आयोजन हम सबको एकता के सूत्र में बांधने वाला है जिसके लिए बोल बम कांवरिया संघ साधुवाद के पात्र हैं।

शहर के विकास कार्यों का पीडब्ल्यूडी अध्यक्ष ने पार्षदों के साथ संयुक्त रूप से लिया जायजा

धमतरी। नगर निगम क्षेत्र में विकास को आगे बढ़ाने के लिए जो बुनियादी कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है उसका सतत निरीक्षण लोक निर्माण विभाग के अध्यक्ष विजय मोटवानी द्वारा करते हुए समय समय पर यह दिशा निर्देश दिया जा रहा है कि निर्माण का कार्य पूर्ण किया जाए जिससे आने वाले समय में महापौर रामू रोहरा के सजगता एवं सक्रियता के चलते जो करोड़ों के विकास कार्य राजधानी से लेकर धमतरी तक स्वीकृत कराकर कराया जा रहा है, उसे अमलीजामा पहनाया जा सका। वही जल विभाग के अध्यक्ष अखिलेश सोनकर द्वारा कहा गया है कि निगम के कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए टीम भावना सर्वोपरि है और इसी से नगर विकास को एक नई ऊंचाई एवं दिशा दिया जाएगा। वहीं खाद्य विभाग के अध्यक्ष पिंटू यादव द्वारा कहा गया है की बरसात के बाद शहर का विकास तेजी से आगे बढ़ाने के लिए हम सामूहिक रूप से पूरे पार्षद प्रतिबद्धता के साथ धरातल पर कार्य करेंगे जिससे आने वाले समय में धमतरी शहर विकास की ओर तेजी से आगे बढ़ते हुए पूरे छत्तीसगढ़ में विशिष्ट पहचान महापौर रामू रोहरा के नेतृत्व में बनाएगा। गौरतलब है कि श्री मोटवानी के नेतृत्व में पार्षद एवं एल्डरमेन की टीम जिसमें जल विभाग के अध्यक्ष अखिलेश सोनकर, खाद्य विभाग के अध्यक्ष पिंटू यादव, पार्षदगण कुलेश सोनी, हेमंत बंजारे, एल्डरमेन रितिक यादव, प्राची सोनी, दिलीप पटेल के द्वारा विंध्यवासिनी वार्ड, घासीदास वार्ड, साल्हेवार पारा, बनियापारा वार्ड में पहुंचकर निर्माणाधीन सड़क नाली के साथ ही साथ आगामी समय में जनता की आवश्यकताओं के अनुरूप होने वाले कार्यों का निरीक्षण किया गया।

मच्छरों की रोकथाम के लिए 10 नई फॉगिंग मशीनें खरीदी जाएंगी-महापौर रामू रोहरा

धमतरी। नगर निगम धमतरी विकास कार्यों के साथ.साथ शहर की स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने पर भी विशेष ध्यान दे रहा है। शहर को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाने के उद्देश्य से निगम द्वारा 2.55 करोड़ रुपए की लागत से आधुनिक मशीनों की खरीदी की जाएगी। इन मशीनों के माध्यम से कचरा निष्पादन एवं सफाई व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। शहर में मच्छरों के बढ़ते प्रकोप और उससे होने वाली बीमारियों की रोकथाम के लिए निगम द्वारा 10 नई फॉगिंग मशीनें भी खरीदी जाएंगी। इससे विभिन्न वार्डों में नियमित रूप से फॉगिंग कर मच्छरों के लार्वा एवं प्रकोप को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। विशेषकर बारिश के मौसम में जलभराव वाले क्षेत्रों और संवेदनशील इलाकों में फॉगिंग अभियान को तेज किया जा सकेगा। महापौर रामू रोहरा ने बताया कि नगर निगम की प्राथमिकता केवल सड़क, नाली, पानी और अन्य विकास कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि नागरिकों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराना भी निगम की जिम्मेदारी है। इसी उद्देश्य से सफाई व्यवस्था में आधुनिक तकनीक और मशीनरी का इस्तेमाल बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आधुनिक मशीनों की उपलब्धता से सफाई कर्मचारियों को भी बेहतर संसाधन मिलेंगे और कम समय में अधिक प्रभावी ढंग से सफाई कार्य किया जा सकेगा। साथ ही मच्छरों की रोकथाम के लिए फॉगिंग व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा। नगर निगम का प्रयास है कि धमतरी शहर विकास के साथ स्वच्छता के मामले में भी एक बेहतर और आदर्श शहर के रूप में आगे बढ़े। महापौर ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय उपमुख्यमंत्री अरूण साव के प्रति आभार व्यक्त किया है।

निजी विश्वविद्यालयों को मेडिकल डिग्री की अनुमति

पूंजीपतियों के बच्चों को आसान डिग्री दिलाने की साजिश-राजा देवांगन

धमतरी। एनएसयूआई जिलाध्यक्ष राजा देवांगन ने निजी विश्वविद्यालयों को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य संबंधी डिग्री देने के प्रस्ताव पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यह आम छात्रों के भविष्य के साथ खुला खिलवाड़ है। उन्होंने कहा कि लगातार पेपर लीक और परीक्षाओं में अनियमितताओं के आरोपों के बीच अब सरकार निजी विश्वविद्यालयों को मेडिकल, नर्सिंग, आयुर्वेद, होम्योपैथी, फिजियोथेरेपी और डेंटल जैसे कोर्स चलाने की अनुमति देने की तैयारी कर रही है। राजा देवांगन ने कहा कि आयुष विश्वविद्यालय ने स्पष्ट रूप से इस प्रस्ताव का विरोध किया है, फिर भी इसे आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या चिकित्सा शिक्षा अब मेहनत करने वाले आम छात्रों के लिए रहेगी या पूंजीपतियों और बड़े घरों के बच्चों के लिए आसान डिग्री का रास्ता खोला जा रहा है। गुणवत्ता और सख्त नियंत्रण के बिना निजी संस्थानों को चिकित्सा क्षेत्र में घुसाने का मतलब शिक्षा को व्यवसाय बनाना है। उन्होंने आगे कहा कि पिछले वर्षों में परीक्षा प्रणाली में बार.बार अनियमितताओं और पेपर लीक के आरोप लगे हैं। ऐसे में चिकित्सा शिक्षा जैसी संवेदनशील विधा को निजी हाथों में सौंपना और भी खतरनाक है। इससे न सिर्फ शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित होगी, बल्कि आम छात्रों के लिए मेडिकल शिक्षा और महंगी तथा दूर हो जाएगी।

एनएसयूआई धमतरी की स्पष्ट मांग है कि निजी विश्वविद्यालयों को चिकित्सा डिग्री देने का प्रस्ताव तुरंत रोका जाए। लगातार हो रहे पेपर लीक और परीक्षा अनियमितताओं पर सख्त कार्रवाई हो। विशेषज्ञ समिति गठित कर आयुष विश्वविद्यालय, चिकित्सा विशेषज्ञों और छात्र प्रतिनिधियों से सुझाव लिए जाएं। छात्र हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए ही कोई निर्णय लिया जाए।

महिला मोर्चा ने एसपी को रक्षा सूत्र बांधकर जवानों के लिये राखियां भेजी

धमतरी। प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी रक्षाबंधन के पावन पर्व पर भारतीय जनता पार्टी जिला महिला मोर्चा द्वारा नक्सली क्षेत्र में तैनात जांबाज सैनिकों के लिए रक्षा सूत्र राखी के साथ मिश्री एवं तिलक चावल भेजा गया। नक्सल प्रभावित रहे क्षेत्र में तैनात जांबाज सैनिक ऐसे स्थान में रहते हैं जहां सूर्य की किरणें भी पहुंचना मुश्किल होता है घने जंगल में रहकर अपने क्षेत्र एवं राज्य के व्यक्ति एवं सभी लोगों की सुरक्षा करते हैं। मंगलवार को महिला मोर्चा के पदाधिकारी, सदस्य पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर एसपी भावना पांडे को रक्षा सूत्र बांधा। इस दौरान नगरी, बोरई, राजनांदगांव, दंतेवाड़ा, बीजापुर जैसे नक्सल प्रभावित क्षेत्र रहे जगहों में सीआरपीएफ पुलिस एवं अन्य जवानों को राखी भेजी गई। पदाधिकारियों ने बताया कि जब हम अपने घरों में आराम करते रहते हैं तब ये जवान हमारी सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालते हैं। अपने परिवार से दूर कोई पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड जैसे अन्य राज्यों से आते हैं। ऐसे पावन पर्व पर जब सभी बहनें अपने भाइयों की कलाई राखी में राखी बांधती है तब यह जंगल में हमारी सुरक्षा के लिए तैनात रहते हैं। उस वक्त घने जंगलों में उनकी बहनें उन तक नहीं पहुंच पाती। ऐसे समय में भाजपा जिला महिला मोर्चा धमतरी की बहने उनकी कलाई सूनी ना रहे उसके लिए रक्षा सूत्र राखी भेजते हैं। यह संदेश भी भेजती है कि आप लोग नक्सलियों से हमारी रक्षा करते हो अपने परिवार से दूर घने जंगलों में जहां पानी की भी व्यवस्था नहीं रहती है, सोने का ठिकाना भी नहीं रहता है, जहां जानवरों और पक्षियों का वास रहता है ऐसी स्थिति में आपकी बहने आप तक नहीं पहुंच पाती है। इसलिए लगभग 22 वर्षों से लगातार राखी भेज रहे हैं। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार नक्सल मुक्त छत्तीसगढ़ बनाने की कोशिश कर रही है और लगभग नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर लिया है। अभी भी कुछ क्षेत्रों में कैंप लगाकर र रहे हैं। यह रक्षा सूत्र आपके पास भेज रहे हैं। सर्वप्रथम पुलिस अधीक्षक भावना पांडे, एडिशनल एसपी, स्टेनो एवं अन्य अधिकारियों की कलाइयों में रक्षा सूत्र बांधा गया। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेत्री पार्वती वाघवानी, बिथीका विश्वास, अनीता यादव, प्रियंका सिन्हा, अर्चना चौबे, कल्पना रणसिंह, सरला जैन के द्वारा विजय का तिलक लगाया गया। उसके पश्चात उनके हाथों में रक्षा सूत्र बांधकर उनका मुंह मीठा कराया गया। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी द्वारा नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर भारतीय जनता जिला महिला मोर्चा कौशल्या देवांगन, रितिका यादव, अनीता अग्रवाल, नम्रता पवार, ईश्वरी पटवा, नीलू त्रिवेदी, अनीता सोनकर, पूजा कुंजम, संतोषी साहू, संगीता जगताप, सीमा चौबे, रुक्मणी सोनकर, नीलू रजक, चित्रलेखा निर्मलकर, रेखा शांडिल्य, चंद्रभागा साहू, भारती साहू, आशा लोधी, विभा चंद्राकर, मोनिका देवांगन, गीता शर्मा, संतोषी साहू महिला मोर्चा की अन्य सदस्य मौजूद रही।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस की बड़ी कार्रवाई, दो जुआ फड़ों पर दबिश देकर 6 जुआरी गिरफ्तार

रायपुर। जिले में जुआ-सट्टा जैसी अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन अंकुश के तहत धरमजयगढ़ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। एसएसपी शशि मोहन सिंह के दिशा-निर्देशन, एडिशनल एसपी अनिल सोनी के मार्गदर्शन और थाना प्रभारी धरमजयगढ़ निरीक्षक राजेश जांगड़े के नेतृत्व में पुलिस टीम ने ग्राम खम्हार में दो अलग-अलग जुआ फड़ों पर दबिश देकर 6 जुआरियों को रंगेहाथ गिरफ्तार किया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने कुल 1,13,590 की जप्ती की है। पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम खम्हार में अभय गुप्ता के मकान के पीछे खुले स्थान पर कुछ लोग 52 पत्ती ताश से रुपये-पैसे का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी कर पहले जुआ फड़ पर दबिश दी। यहां लवकुश डाठिया, अभय गुप्ता और रामलाल चौहान को जुआ खेलते पकड़ा गया। उनके कब्जे और फड़ से नगद रकम, ताश की पत्तियां तथा एक मोटरसाइकिल सहित कुल 44,440 की जप्ती की गई। इसी दौरान पुलिस ने दूसरे जुआ फड़ पर भी कार्रवाई की। यहां प्रदीपक राठिया, सोधन राठिया और विनय भारद्वाज को जुआ खेलते पकड़ा गया। दूसरे फड़ से भी नगद रकम, 52 पत्ती ताश और दो मोटरसाइकिलें जब्त की गईं। इस कार्रवाई में कुल ?69,150 की जप्ती की गई। दोनों जुआ फड़ों से पुलिस ने कुल ?8,590 नगद, तीन मोटरसाइकिलें और 52-52 पत्ती ताश जब्त की। जब्त सामग्री की कुल कीमत ?1,13,590 बताई गई है। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ थाना धरमजयगढ़ में छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 3(2) के तहत अपराध क्रमांक 220/2026 एवं 221/2026 दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई। इसके साथ ही आरोपियों के खिलाफ पृथक रूप से धारा 170 बीएनएसएस के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की गई। गिरफ्तार आरोपियों में लवकुश डाठिया (28), अभय गुप्ता (22), रामलाल चौहान (30), प्रदीपक राठिया (19), सोधन राठिया (18) और विनय भारद्वाज (30) शामिल हैं। सभी ग्राम खम्हार के निवासी बताए गए हैं।

रायपुर निगम की कार्रवाईः 18 दुकानदारों पर 16,820 रुपये का ई-चालान

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम के जोन क्रमांक-2 स्वास्थ्य विभाग ने स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वाले 18 दुकान संचालकों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कुल 16,820 रुपये का ई-चालान जारी किया। नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश पर जोन-2 के जोन कमिश्नर संतोष पाण्डेय के मार्गदर्शन तथा जोन स्वास्थ्य अधिकारी रवि लवनिया की उपस्थिति में बाजार क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सूखा और गीला कचरा अलग-अलग नहीं रखने, गंदगी फैलाने तथा प्रतिबंधित प्लास्टिक के उपयोग से संबंधित जनशिकायतें सही पाई गईं। इसके बाद संबंधित 18 दुकानदारों पर कार्रवाई करते हुए कुल 16,820 रुपये का ई-चालान वसूला गया। साथ ही सभी संचालकों को भविष्य में स्वच्छता नियमों का पालन करने और प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने की सख्त चेतावनी दी गई। नगर निगम ने बताया कि स्वच्छता से जुड़ी जनशिकायतों का त्वरित निराकरण किया जा रहा है और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

महतारी वंदन बनी स्वाभिमान की डोर राखी से पहले मिला विष्णु भैया का उपहार, महिलाओं के चेहरों पर बिखरी मुस्कान

रायपुर। रक्षाबंधन का त्योहार भाई-बहन के अटूट स्नेह, विश्वास और सुरक्षा के वादे का प्रतीक है। इस पावन पर्व से ठीक पहले विष्णु भैय्या की छत्तीसगढ़ सरकार 'महतारी वंदन योजना' ने जिले की हज़ारों महिलाओं के जीवन में स्वाभिमान और आर्थिक आत्मनिर्भरता की नई मिठास घोल दी है। योजना के तहत सीधे बैंक खातों में पहुंची राशि बहनों के लिए केवल एक आर्थिक मदद नहीं, बल्कि महिलाओं के लिए अपने सामर्थ्य से त्योहार की खुशियां मनाने का सशक्त माध्यम बन गई है। धमतरी जिले की मुजगहन निवासी मंजू यादव, धमतरी की शिवानी साहू और पोटियाडीह की मीनाक्षी निर्मलकर के लिए यह योजना उनके आत्मसम्मान का संबल बनी है। मुजगहन की मंजू यादव चेहरे पर बिखरी खुशी के साथ बताती हैं कि इस बार विष्णु भैय्या के भेजे पैसे से रक्षाबंधन पर अपने लिए नई साड़ी खरीदूंगी। महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि से अपनी छोटी-छोटी ज़रूरतों के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। धमतरी की शिवानी साहू अनुभव साझा करते हुए कहती हैं कि पहले बच्चों के लिए त्योहार पर मिठाई या छोटी-मोटी चीज़ें लेने के लिए भी दूसरों की मदद लेनी पड़ती थी। अब इस राशि से मैं खुद बच्चों के लिए मिठाई और ज़रूरी सामान खरीद रही हूँ।इसी तरह पोटियाडीह की मीनाक्षी निर्मलकर के लिए यह पर्व और भी खास हो गया है। वे कहती हैं, इस बार अपने भाइयों के लिए राखी, मिठाई और उपहार मैं अपने खुद के पैसों से खरीदूँगी। त्योहार से ठीक पहले मिली यह राशि किसी भाई के अनमोल उपहार से कम नहीं है। लाभार्थी महिलाओं ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति सहृदय आभार व्यक्त करते हुए उन्हें अपना श्वड़ा भाईश् बताया। महिलाओं का कहना है कि हर महीने नियमित मिलने वाली इस वित्तीय सहायता से न केवल उनका आत्मविश्वास बढ़ा है, बल्कि वे अपने परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने में भी अधिक सक्षम महसूस कर रही हैं।

जब दिल्ली के मंच पर जीवंत हुई छत्तीसगढ़ की पंडवानी परंपरा

रायपुर। छत्तीसगढ़ की पंडवानी को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के प्रतिष्ठित सांस्कृतिक मंच इंडिया हैबिटेट सेंटर में अपनी पूरी जीवंतता के साथ प्रस्तुत हुई। महान पांडवानी कलाकार और पद्म विभूषण से सम्मानित स्वर्गीय तीजन बाई की स्मृति को समर्पित विशेष प्रस्तुति के साथ आईएचसी लोक संगीत सम्मेलन 2026 का शुभारंभ हुआ। पंडवानी की इस प्रस्तुति ने छत्तीसगढ़ की लोक परंपरा को दिल्ली के सांस्कृतिक परिदृश्य में एक बार फिर प्रमुखता से सामने रखा। इंडिया हैबिटेट सेंटर के स्टाइन ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में पांडवानी कलाकार प्रभा यादव ने पारंपरिक संगीतकारों के साथ प्रस्तुति दी। महाभारत की कथाओं पर आधारित पंडवानी में कथा, गायन, संवाद, लय और अभिनय का ऐसा संयोजन देखने को मिला, जिसने छत्तीसगढ़ की इस विशिष्ट लोक शैली की ताकत और व्यापकता को सामने रखा। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ सरकार के प्रतिनिधियों के साथ प्रदेश की कला और संस्कृति से जुड़े प्रमुख व्यक्तित्व भी उपस्थित रहे। वरिष्ठ पत्रकार एवं छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के सलाहकार आर. कृष्ण दास, धरसींवा विधायक एवं प्रसिद्ध छत्तीसगढ़ी फिल्म कलाकार अनुज शर्मा, प्रबल प्रताप सिंह जूदेव तथा सांस्कृतिक कार्यकर्ता ने कार्यक्रम में भाग लिया। इंडिया हैबिटेट सेंटर के निदेशक प्रो. (डॉ.) के.जी. सुरेश और अन्वेषा कला केंद्र की सचिव अन्वेषा ब्रह्मा भी इस अवसर पर मौजूद रहीं।

प्रभारी मंत्री राजेश अग्रवाल ने ली विभागीय समीक्षा बैठक

अधोसंरचना विकास कार्यों में गुणवत्ता और समय-सीमा का रखें ध्यान

- जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम छोर तक पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता
- धनपुर में मिली दुर्लभ मूर्तियों के संरक्षण के निर्देश

रायपुर/ संवाददाता

गौरेला पेन्ड्रा मरवाही जिले के प्रभारी मंत्री एवं पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने आज कलेक्ट्रेट स्थित अरपा सभा कक्ष में जिला अधिकारियों की बैठक लेकर विभिन्न विभागों की योजनाओं के क्रियान्वयन, लक्ष्य एवं उपलब्धियों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए उनका लाभ समाज के अंतिम छोर तक पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होगा, जब शासन की योजनाओं और सुविधाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचे। बैठक में विधायक श्री प्रणव कुमार मरपची, जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री समीरा पैकरा, उपाध्यक्ष राजा उपेन्द्र बहादुर सिंह, कलेक्टर श्री विजय दयाराम के, पुलिस अधीक्षक श्री मनोज खिलारी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री मुकेश रावटे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मंशा के अनुरूप शासन की योजनाओं को धरातल पर प्रभावी रूप से लागू करना अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने जिले में चल रहे अधोसंरचना एवं विकास कार्यों

की नियमित निगरानी करने तथा सभी निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। समीक्षा के दौरान मंत्री श्री अग्रवाल ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को तीसरी किश्त की राशि समय पर जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत स्वीकृत आंगनबाड़ी भवन, सार्वजनिक वितरण प्रणाली के दुकानों, मुक्तिधाम एवं प्रतीक्षालय निर्माण जैसे कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने कहा। उन्होंने जिले के सभी विद्यालयों में अनिवार्य रूप से बालिका शौचालय की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बालिकाओं के लिए विद्यालयों में सुरक्षित एवं स्वच्छ सुविधाएं उपलब्ध कराना शिक्षा के अनुकूल वातावरण के लिए अत्यंत आवश्यक है। मंत्री श्री अग्रवाल ने जिले को टीबी मुक्त जिला बनाने के लिए अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से पात्र हितग्राहियों की पहचान कर उन्हें शासन की योजनाओं से जोड़ने तथा स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने को कहा। साथ ही सभी पात्र परिवारों को उज्ज्वला गैस कनेक्शन दिलाने के निर्देश दिए, ताकि जरूरतमंद परिवारों को स्वच्छ ईंधन की सुविधा उपलब्ध हो सके। मंत्री ने जिले में स्वीकृत विद्युत उपकेंद्रों की स्थापना की प्रक्रिया शीघ्र पूरी कर निविदा आमंत्रित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्यमंत्री बिजली बिल समाधान योजना का अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में विद्युत सुविधाओं के विस्तार से लोगों के जीवन स्तर में सुधार के साथ विकास की गति भी तेज होगी। शिक्षा एवं आवासीय सुविधाओं की समीक्षा करते हुए मंत्री श्री अग्रवाल ने जिले के छात्रावासों में आवश्यकता के अनुसार सीटों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए।

नकटी के बाद अब चंदेरी की चरागाह जमीन उद्योगपतियों को सौंपने की तैयारी-पूर्वमंत्री....

- कबीरपंथ को सीएम का आश्वासन और सुप्रीम कोर्ट के आदेश दरकिनार

रायपुर। पूर्व मंत्री मोहम्मद अकबर ने बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के सिमगा तहसील के ग्राम चंदेरी में चरागाह की जमीन उद्योग के लिए दिए जाने के मामले में राज्य सरकार पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा है कि नकटी कांड के बाद अब चंदेरी की चरागाह भूमि को उद्योगपतियों को सौंपने की तैयारी की जा रही है, जबकि इस मामले में मुख्यमंत्री जी के आश्वासन और सुप्रीम कोर्ट के आदेश का भी पालन नहीं हो रहा है। अकबर ने कहा कि 23 फरवरी 2024 को दामाखेड़ा में कबीरपंथ के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री जी ने दामाखेड़ा के 10 किलोमीटर के दायरे में उद्योग नहीं लगाने को लेकर आश्वासन दिया था। इसके बावजूद चंदेरी में लगभग 23.93 हेक्टेयर यानी करीब 59 एकड़ चरागाह की जमीन को नवीन औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना के लिए उद्योग विभाग को आधिपत्य सौंप दिया गया है।उन्होंने कहा कि यह मामला राजस्व मंत्री जी के गृह जिले से जुड़ा है, लेकिन सरकार गांव के आम निस्तार की भूमि और चरागाह को बचाने में असहाय नजर आ रही है। पूर्व मंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के 10 मार्च 2011 के स्पष्ट निर्देश के अनुसार भविष्य में सार्वजनिक उपयोग के लिए सुरक्षित भूमि को अन्य प्रयोजन के लिए आवंटित

नहीं किया जाना है। इसके बावजूद चंदेरी तहसील के खसरा नंबर 1660, 2206, 2207 और 1743 की कुल लगभग 23.93 हेक्टेयर जमीन उद्योग विभाग को 6 फरवरी 2026 को आधिपत्य में दे दी गई। अकबर ने कहा कि नायब तहसीलदार सिमगा ने 19 जनवरी 2025 की अपनी आर्डर शीट में ग्राम पंचायत चंदेरी की आपत्ति का उल्लेख किया था। इसके बावजूद जमीन का आधिपत्य तहसीलदार सिमगा के माध्यम से उद्योग केंद्र बलौदाबाजार को दे दिया गया। अकबर ने दावा किया कि ग्राम पंचायत चंदेरी की बैठक में 20 दिसंबर 2025 को सर्वसम्मति से उक्त भूमि को उद्योग को हस्तांतरित नहीं करने का प्रस्ताव पारित किया गया था। इसके बाद 30 जुलाई 2026 को ग्राम सभा ने भी सर्वसम्मति से चरागाह की जमीन को औद्योगिक प्रयोजन के लिए देने का विरोध किया। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके बावजूद भुइयां पोर्टल में इन खसरों की जमीन संचालक उद्योग के नाम पर दर्ज कर दी गई है । अकबर के मुताबिक यह भूमि आसपास की करीब 8 से 10 ग्राम पंचायतों के गोवंश और अन्य मवेशियों के लिए प्रमुख प्राकृतिक चरागाह है।

हुनर को रोजगार बना आत्मनिर्भर बन रहीं बिहान की महिलाएं

- बिहान की महिलाओं की रचनात्मकता से सजीं आकर्षक राखियां, स्थानीय सामग्री से तैयार उत्पादों को मिल रहा बाजार

रायपुर/ संवाददाता

रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन के स्नेह और अटूट रिश्ते का प्रतीक है। इस पवित्र रिश्ते को मजबूत करने वाली राखियां अब ग्रामीण महिलाओं के हुनर, मेहनत और आत्मनिर्भरता की पहचान भी बन रही हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) बिहान से जुड़ी स्व-सहायता समूहों की महिलाएं स्थानीय सामग्री और अपनी रचनात्मकता का उपयोग कर आकर्षक एवं पारंपरिक राखियां तैयार कर रही हैं। इनके निर्माण और बिक्री से महिलाओं को स्वरोजगार के साथ अतिरिक्त आय का अवसर मिल रहा है। जांजगीर-चांपा जिले के बलौदा विकासखंड की ग्राम पंचायत रसौटा की जागृति स्व-सहायता समूह की महिलाओं सहित जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों की समूह सदस्य इन दिनों राखी निर्माण में जुटी हैं। महिलाएं धान, चावल, रंगीन मोती, नग, स्टोन, ऊन, मौली एवं रेशम के धागों सहित विभिन्न रंग-बिरंगी सजावटी सामग्रियों का उपयोग कर आकर्षक राखियां तैयार कर रही हैं। बाजार से आवश्यक सामग्री खरीदने के बाद महिलाएं इन्हें अपने घरों में कलात्मक रूप देकर सुंदर राखियों का रूप देती हैं। स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार राखियों को स्थानीय बाजारों और विभिन्न बिक्री केंद्रों के माध्यम से लोगों तक पहुंचाया जा रहा है। महिलाओं ने कलेक्टोरेट परिसर में भी स्टॉल लगाकर अपनी हस्तनिर्मित राखियों की बिक्री की। पर्व के अवसर पर इन राखियों को लोगों की अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है, जिससे समूह की महिलाओं को अपनी मेहनत का बेहतर मूल्य प्राप्त हो रहा है। जागृति स्व-सहायता समूह की सचिव श्रीमती सुनीता अनंत ने बताया कि समूह की महिलाओं द्वारा तैयार राखियों की स्थानीय बाजारों के साथ कलेक्टोरेट परिसर में भी बिक्री की गई। इससे उन्हें अच्छी आमदनी प्राप्त हो रही है। उन्होंने बताया कि बिहान से जुड़ने के बाद महिलाओं को अपने हुनर को आगे बढ़ाने और उसे आय के साधन में बदलने का अवसर मिला है। बिहान से जुड़कर ग्रामीण महिलाएं अब पारंपरिक घरेलू जिम्मेदारियों के साथ आर्थिक गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं। अपने हाथों के हुनर को आजीविका का साधन बनाकर वे परिवार की आय में योगदान दे रही हैं।

सेवा सेतु केंद्र से डॉली की आधार संबंधी समस्या का हुआ समाधान..

- नाम में त्रुटि सुधरने से बैंक खाता खुलने और छात्रवृत्ति प्राप्त करने की राह हुई आसान

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा नागरिक सेवाओं को सरल, सुलभ और सुविधाजनक बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों का लाभ आम लोगों को मिल रहा है। सेवा सेतु केंद्रों के माध्यम से दस्तावेज संबंधी समस्याओं के निराकरण सहित विभिन्न शासकीय सेवाओं से जुड़ी सुविधाएं नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही हैं। इससे लोगों को शासकीय योजनाओं और सेवाओं का लाभ लेने में आ रही कठिनाइयों का स्थानीय स्तर पर समाधान मिल रहा है। इसी क्रम में सरगुजा जिले के अम्बिकापुर निवासी सुश्री डॉली गंधर के आधार कार्ड में दर्ज नाम की त्रुटि का निराकरण सेवा सेतु केंद्र के माध्यम से किया गया। आधार कार्ड में नाम गलत दर्ज होने के कारण उन्हें बैंक खाता खुलवाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। बैंक खाता नहीं होने से छात्रवृत्ति का लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया भी प्रभावित हो रही थी। अपनी समस्या के समाधान के लिए डॉली गंधर ने सेवा सेतु केंद्र में आवेदन प्रस्तुत किया। आवश्यक दस्तावेजों एवं निर्धारित प्रक्रिया के आधार पर उनके आधार कार्ड में नाम संबंधी त्रुटि को सुधारा गया। नाम में सुधार होने के बाद अब उनके लिए बैंक खाता खुलवाने की प्रक्रिया आसान हो गई है। साथ ही छात्रवृत्ति प्राप्त करने में आ रही दस्तावेज संबंधी बाधा भी दूर हो गई है। डॉली गंधर ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि आधार कार्ड में नाम की त्रुटि के कारण उन्हें काफी परेशानी हो रही थी। बैंक खाता नहीं खुल पाने के कारण छात्रवृत्ति का लाभ लेने में भी दिक्कत आ रही थी।

15 अगस्त को मुख्यमंत्री रायपुर, डॉ. रमन सिंह राजनांदगांव में फहराएंगे झंडा

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग ने आगामी स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त के राज्यस्तरीय एवं जिलास्तरीय समारोहों के लिए मुख्य अतिथियों की सूची और आवश्यक दिशानिर्देश जारी कर दिए हैं। जारी आदेश के अनुसार राज्य के मुख्य समारोह में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय रायपुर में ध्वजारोहण करेंगे। केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू बिलासपुर, दुर्ग में उप मुख्यमंत्री अरूण साव, बस्तर में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा और राजनांदगांव में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह मुख्य अतिथि होंगे। सरगुजा में मंत्री रामविचार नेताम, महासमुंद में मंत्री दयालदास बघेल, दन्तेवाड़ा में मंत्री केदार कश्यप, कबीरधाम में मंत्री लखन लाल देवांगन ध्वजारोहण करेंगे।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने पुनर्वास एवं नक्सल प्रभावित परिवारों के लिए संचालित योजनाओं की समीक्षा की

गंभीर प्रकरणों को छोड़कर अन्य मामलों के शीघ्र निराकरण के निर्देश

- 109 शहीद स्मारकों का होगा निर्माण, क्यूआर कोड से मिलेगी शहीदों और घटनाओं की पूरी जानकारी
- नक्सल प्रभावितों के पुनर्वास और शहीद परिवारों को सहायता में तेजी लाने के निर्देश

रायपुर/ संवाददाता

नवा रायपुर अटल नगर स्थित महानदी भवन सभागार में सोमवार को उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने नक्सल हिंसा से प्रभावित परिवारों, पुनर्वासित युवाओं तथा माओवादी गतिविधियों से प्रभावित लोगों को उपलब्ध कराई जा रही सहायता एवं सुविधाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में उन्होंने प्रभावित परिवारों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने, पुनर्वासित युवाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने, शहीदों के सम्मान में स्मारकों के निर्माण तथा लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण सहित विभिन्न विषयों पर अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में नक्सल पीड़ित परिवारों एवं पुनर्वासित युवाओं को मिल रही सहायता और सुविधाओं की स्थिति की समीक्षा की गई। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने शहीद परिवारों को अनुकंपा नियुक्ति एवं शासकीय सेवा प्रदान किए जाने की प्रगति की जानकारी ली। अधिकारियों द्वारा बताया गया कि शहीद परिवारों को शत-प्रतिशत अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की जा चुकी है। इस उपलब्धि पर उप मुख्यमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि शहीद परिवारों के प्रति शासन की जिम्मेदारी सर्वोच्च प्राथमिकता में है और उन्हें किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े, यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने एसआईबी के डैशबोर्ड को भी नियमित

रूप से अपडेट करने के निर्देश दिए, ताकि नक्सल प्रभावित परिवारों, पुनर्वासित व्यक्तियों और सहायता से संबंधित प्रकरणों की वास्तविक एवं अद्यतन स्थिति की प्रभावी मॉनिटरिंग की जा सके। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने राज्य निर्माण से अब तक माओवादी हिंसा में शहीद हुए जवानों एवं दिवंगत नागरिकों की स्मृति में घटना स्थल अथवा संबंधित ग्रामों में बनाए जाने वाले 109 शहीद स्मारकों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने इन स्मारकों के लिए एक मानक डिजाइन तैयार कर निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहीद स्मारक केवल स्मृति स्थल नहीं होंगे, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को शहीदों के बलिदान और नक्सल हिंसा की घटनाओं से परिचित कराने का माध्यम भी बनेंगे। इन स्मारकों में क्यूआर कोड लगाए जाएंगे, जिन्हें स्कैन करने पर संबंधित शहीद, घटना और उनके योगदान से जुड़ी विस्तृत जानकारी लोगों को उपलब्ध हो सकेगी। उप मुख्यमंत्री ने राज्य निर्माण से अब तक नक्सल हिंसा में हताहत हुए लोगों के ऐसे मामलों की भी समीक्षा की, जिनमें अब तक प्रभावित परिवारों तक राहत नहीं पहुंचाई जा सकी है। उन्होंने ऐसे सभी मामलों की पहचान कर विशेष मुहिम चलाने, प्रभावित लोगों से आवेदन प्राप्त करने और पात्र हितग्राहियों को शासन की सहायता एवं राहत का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नक्सल हिंसा से प्रभावित कोई भी पात्र परिवार शासन की सहायता से वंचित नहीं रहना चाहिए। इसके लिए मैदानी स्तर पर सक्रिय होकर लंबित मामलों का निराकरण किया जाए। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने पुनर्वासित युवाओं से संबंधित प्रकरणों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि यूएपीए, जनहानि जैसे गंभीर प्रकरणों को छोड़कर अन्य मामलों को गंभीरता से लेते हुए शीघ्रता से निराकृत किया जाए। इसके लिए पेशेवर अधिवक्ताओं, लोक अभियोजन अधिकारियों एवं शासकीय अधिवक्ताओं का दल गठित कर सभी प्रकरणों में प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

संपादकीय

इलाज नहीं, अंधविश्वास मिला और एक जिंदगी हार गई

हैरान करने वाली इस घटना में महिला को इलाज के नाम पर दस दिनों तक खंभे से बांधकर रखा गया, जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद उपचार के लिए उसे स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जिस दौर में विज्ञान की उपलब्धियों के सहारे आम जनजीवन की समूची बुनियाद बदलने की एक प्रक्रिया चल रही है, उसमें महज अंधविश्वास की वजह से किसी की जान चली जाए या लोग अंधविश्वास की जड़ता में डूबे हों, तो इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी।उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में बीते मंगलवार को मानसिक रूप से बीमार एक महिला की मौत इसका उदाहरण है कि हम लाख अपनी वैज्ञानिक उपलब्धियों का हवाला देते रहें, समाज का एक बड़ा हिस्सा आज भी अंधविश्वास की कूपमंडूकताओं में डूबा हुआ है और इसके बेहद तकलीफदेह खामियाजे भी भुगत रहा है।हैरान करने वाली इस घटना में महिला को इलाज के नाम पर दस दिनों तक खंभे से बांधकर रखा गया, जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद उपचार के लिए उसे स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।अगर महिला के परिजनों या वहां के लोगों के बीच बीमारी और इलाज की सामान्य जानकारी भी होती, तो वे महिला को उपचार के लिए किसी चिकित्सक के पास ले जाते और उसकी जान बच सकती थी।आज भी झाड़-फूंक के सहारे इलाज का अंधविश्वास कायम है, तो आखिर इसकी जड़ें कहां मौजूद हैं? आम लोगों की अमूमन हर गतिविधि को किसी तकनीक पर निर्भर करने और डिजिटल दुनिया के दौर में भी लोगों के ज्ञान का दायरा इतना सिमटा हुआ क्यों है कि वे किसी बीमारी का इलाज झाड़-फूंक या तंत्र-मंत्र में ढूंढ़ते हैं?कई बार मानसिक रोगी का मनोचिकित्सक से उपचार नहीं कराया जाता और परिवार के सदस्य ही उसे तांत्रिक के पास ले जाते हैं। समाज से अधिक यह सरकार के लिए चिंता का विषय होना चाहिए कि देश में मानसिक रोग के उपचार के लिए पर्याप्त अस्पताल और चिकित्सक क्यों नहीं हैं।मानसिक स्वास्थ्य को लेकर ज्यादातर लोगों का जागरूक न होना भी एक बड़ी चुनौती है। हैरानी की बात यह भी है कि तेज रफ्तार आधुनिक संचार के इस दौर में सरकार जहां अपनी किसी बात या प्रशासनिक फैसले को लागू करने वाले तंत्र को बिना किसी देरी के दूरदराज के इलाकों तक भी पहुंचा देती है, वहीं वह अंधविश्वास की जकड़न से घिरे लोगों के बीच वैज्ञानिक चेतना की रोशनी क्यों नहीं पहुंचाती?

उज्ज्वल है भारत का खेल भविष्य

ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल शुरू होने से पहले भारतीय ओलंपिक संघ और विभिन्न खेल महासंघों की आंतरिक रिपोर्ट में भारत को 6 स्वर्ण समेत 31 पदक मिलने का अनुमान लगाया गया था। भारतीय खिलाड़ियों ने अनुमान से दोगुना से भी ज्यादा स्वर्ण जीते। कुल पदक में भी आगे निकल गए। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल में भारत का सबसे सफल खेल बॉक्सिंग रहा। 14 मुक्केबाजों के दल में से 10 खिलाड़ी पदक जीतकर लौटे। इसमें 7 स्वर्ण और 3 रजत शामिल रहे। यानी 71 प्रतिशत मेडल कन्वर्जन रेट। बर्मिंघम 2022 में यह आंकड़ा 58 प्रतिशत था।

(डॉ. आशीष वशिष्ठ)

ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल शुरू होने से पहले भारतीय ओलंपिक संघ और विभिन्न खेल महासंघों की आंतरिक रिपोर्ट में भारत को 6 स्वर्ण समेत 31 पदक मिलने का अनुमान लगाया गया था। भारतीय खिलाड़ियों ने अनुमान से दोगुना से भी ज्यादा स्वर्ण जीते। कुल पदक में भी आगे निकल गए।

इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं है कि ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल में भारत का प्रदर्शन उम्मीद से कहीं बेहतर रहा। भारत ने 13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य सहित कुल 39 पदक जीते। वह पदक तालिका में चौथे नंबर पर रहा। पहली नजर में यह प्रदर्शन बर्मिंघम 2022 के 61 पदक से कमजोर दिख सकता है, लेकिन आंकड़े अलग कहानी बताते हैं। इस बार ग्लासगो में सिर्फ 10 खेल शामिल थे, जबकि बर्मिंघम में 19 खेल खेले गए थे। बैडमिंटन, कुश्ती, शूटिंग, हॉकी, टेबल टेनिस और क्रिकेट जैसे खेल ग्लासगो गेम्स का हिस्सा नहीं थे, जिनसे 2022 में भारत को 30 पदक मिले थे। इसके अलावा भारत ने 210 खिलाड़ियों की जगह सिर्फ 123 खिलाड़ियों का दल भेजा। इनमें से 38 खिलाड़ी पदक जीतकर लौटे, यानी सफलता की दर 31 प्रतिशत रही। बर्मिंघम में यह आंकड़ा 29 प्रतिशत था।

ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल शुरू होने से पहले भारतीय ओलंपिक संघ और विभिन्न खेल महासंघों की आंतरिक रिपोर्ट में भारत को 6 स्वर्ण समेत 31 पदक मिलने का अनुमान लगाया गया था। भारतीय खिलाड़ियों ने अनुमान से दोगुना से भी ज्यादा स्वर्ण जीते। कुल पदक में भी आगे निकल गए। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल में भारत का सबसे सफल खेल बॉक्सिंग रहा। 14 मुक्केबाजों के दल में से 10 खिलाड़ी पदक जीतकर लौटे। इसमें 7 स्वर्ण और 3 रजत शामिल रहे। यानी 71 प्रतिशत मेडल कन्वर्जन रेट। बर्मिंघम 2022 में यह आंकड़ा 58 प्रतिशत था। पदक वितरण समारोह के दौरान सात बार भारत का राष्ट्रगान बजना न सिर्फ ग्लासगो में मौजूद भारतीय दर्शकों के लिए गर्व का पल था, बल्कि इस बात का सबूत भी था कि इस गैर-पारंपरिक खेल को गांवों और छोटे कस्बों तक ले जाने की पहल काफी हद तक सफल रही है। भारतीय बॉक्सरों के प्रदर्शन की जितनी भी प्रशंसा की जाए वो कम है।

जूडो में भारत ने पहली बार राष्ट्रमंडल खेल इतिहास में स्वर्ण जीता। अस्मिता डे और हर्ष सिंह ने स्वर्ण जीता। यामिनी मौर्य ने रजत और उन्नति शर्मा ने कांस्य जीतकर कुल चार पदक भारत की झोली में डाले। हालांकि 14 सदस्यीय भारतीय टीम के दो खिलाड़ी अरुण कुमार और तुलिका मान डोपिंग के कारण बाहर हो गए। इसी तरह, एथलीटों और पैरा-एथलीटों ने 16 पदक जीते। इनमें से कुछ ने तो नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बनाए।

वेटलिफ्टर्स ने आठ और पदक जीते। इन पदकों में ओलंपियन मीराबाई चानू का जीता हुआ एक स्वर्ण पदक भी शामिल था, जिससे उन्होंने स्वर्ण पदकों की हैट्रिक पूरी की; मणिपुर की इस एथलीट ने इससे पहले 2018 गोल्ड कोस्ट और 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल में भी स्वर्ण पदक जीता था। असल में, मीराबाई चानू की शानदार कामयाबी के बावजूद, भारतीय वेटलिफ्टरों का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। इस निराशा की एक वजह यह है कि डोपिंग के आरोपों के कारण कम से कम दो भारतीय वेटलिफ्टरों की एंट्री वापस लेनी पड़ी। छह अन्य खिलाड़ी–कड़ी टक्कर न होने के बावजूद–लड़ने के जज़्बे की कमी या तकनीकी गलतियों की वजह से स्वर्ण पदक जीतने का मौका चूक गए।

एथलेटिक्स ने भारत को 10 पदक दिलाए, लेकिन एक भी स्वर्ण नहीं आया। नीरज चोपड़ा रजत जीत सके। उनके साथ डेब्यू कर रहे यशवीर सिंह ने कांस्य जीता। गुलवीर सिंह ने 10 हजार मीटर में सिल्वर और 5 हजार मीटर रेस में कांस्य जीतकर इतिहास रचा। गुलवीर एक ही कॉमनवेल्थ गेम्स में एथलेटिक्स में दो पदक जीतने वाले वह भारत के पहले खिलाड़ी भी बनें। तेजस्विन शंकर ने डेकाथलन में भारत का पहला राष्ट्रमंडल पदक दिलाया। सरवेश कुशारे, श्रीशंकर, प्रवीण चित्रावेल और सीमा कालीरामना भी पदक जीतने में सफल रहे। हालांकि स्प्रिंट और रिले टीम से बड़ी उम्मीदें थीं, वह खाली हाथ रही।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि मोदी सरकार के 12 वर्षों के शासन में देश में खेलों का संस्थागत विकास तेजी से हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई बार यह दोहराया है कि खेल देश में एकता बढ़ाने, युवाओं को प्रेरित करने और भारत को एक आत्मविश्वासी और उभरती हुई वैश्विक ताकत के रूप में स्थापित करने में अहम भूमिका निभाते हैं। उनकी यह सोच कार्यों में भी दिखाई देती है, जैसे कि 'खेलो इंडिया' और 'टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम यानी टॉप्स' जैसे प्रमुख कार्यक्रमों के माध्यम से। इन पहलों ने देश में खेलों की पूरी व्यवस्था को नया रूप दिया है और भारत को खेलकूद के प्रति समर्पित एक राष्ट्र बना दिया है। इन योजनाओं के कारण भारतीय खिलाड़ियों को बेहतर वित्तीय सहायता, आधुनिक प्रशिक्षण और अंतरराष्ट्रीय स्तर का एक्सपोजर मिला है, जिसके परिणामस्वरूप ओलंपिक, पैरालंपिक, कॉमनवेल्थ और एशियाई खेलों में भारत का प्रदर्शन लगातार सुधरा है।

नई प्रतिभाओं को पदक जीतने वाले खिलाड़ी में बदलने में खेलो इंडिया कार्यक्रम की अहम भूमिका रही है। इस कार्यक्रम के तहत अब तक 2781 से अधिक खिलाड़ियों को प्रशिक्षण, उपकरण, चिकित्सा देखभाल और वित्तीय सहायता दी गई है। सरकार ने खेलो इंडिया योजना पर 36,441 करोड़ रुपये का भारी निवेश मंजूर किया है। वर्ष 2026-31 के लिए संशोधित खेलो इंडिया योजना को मंजूरी दी है। राष्ट्रीय खेल महासंघों को मजबूत बनाने के लिए बड़े पैमाने पर वित्तीय सहायता दी जा रही है।

देश के दूर-दराज और ग्रामीण इलाकों से भी उभरती प्रतिभाओं को खोजा जा रहा है। स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षण और मार्गदर्शन की सुविधाएं देने के लिए देशभर में 1041 खेलो इंडिया केंद्र स्थापित किए गए हैं। इसके साथ ही, 32 खेलो इंडिया सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और 301 खेल अकादमियों को मान्यता दी गई है, जिससे खेलों का पूरा इकोसिस्टम और मजबूत हुआ है। खेलो इंडिया सीओई में खिलाड़ियों को विशेषज्ञ कोचिंग, पोषण और उच्चस्तरीय प्रशिक्षण की सुविधा दी जा रही है।

मोदी सरकार की इन पहलों का जमीन पर जबरदस्त असर भी दिख रहा है। 2022 एशियाई खेलों में भारत के 42 पदकों में से 124 पदक विजेता खेलो इंडिया से प्रशिक्षित खिलाड़ी थे। वहीं पेरिस 2024 ओलंपिक में खेलो इंडिया के 28 खिलाड़ियों ने देश का प्रतिनिधित्व किया था। खेलो इंडिया के खिलाड़ियों ने अब तक करीब 6000 राष्ट्रीय रिकॉर्ड और 1400 अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाए हैं, जो भारत के जमीनी स्तर के खेलकूद के कार्यक्रमों की प्रगति को दर्शाता है।

कोच और खेल विशेषज्ञ मानते हैं कि कॉन्टिनेंटल या ग्लोबल इवेंट्स में प्रतियोगिता का स्तर कहीं ज्यादा होता है। ऐसे में किसी एथलीट या खिलाड़ी की काबिलियत और कड़ी मेहनत की असली परीक्षा एशियन गेम्स या ओलंपिक्स में होती है। हालांकि कॉमनवेल्थ गेम्स में जीते गए मेडल का महत्व कम नहीं आंका जाना चाहिए। इस बार युवा खिलाड़ियों ने दिखाया है कि भारत का खेल भविष्य पहले से कहीं ज्यादा उज्ज्वल दिख रहा है, कई खेलों में नई पीढ़ी के टैलेंटेड एथलीट सुर्खियां बटोर रहे हैं। राष्ट्रमंडल खेल जैसी प्रतियोगिता में किए गए प्रदर्शन को आम तौर पर भविष्य में सुधार के पैमाने और अपनी खूबियों व कमियों के आकलन के तौर पर देखा जाता है।

राष्ट्रमंडल खेल के बाद अब भारतीय खिलाड़ियों की नजर एशियन गेम्स में दमदार प्रदर्शन करने पर है। 20 वें एशियाई खेल का आगाज 19 सितंबर से जापान के नागोया में होग। भारत इस बार हांग्जो 2022 के अपने ऐतिहासिक 107 पदकों के रिकॉर्ड को तोड़ने के इरादे से मैदान में उतरेगा। इसीलिए भारतीय खिलाड़ियों को राष्ट्रमंडल खेल में अपने प्रदर्शन पर गर्व करते हुए एशियन गेम्स में पेश आने वाली चुनौतियों के हिसाब से बिना एक भी पल गवाएं तैयारियां शुरू कर देनी चाहिए। क्योंकि जब विदेशी धरती पर तिरंगा लहराता है और जन-गण-मन गूंजता है, तो वह पल केवल एक खिलाड़ी की जीत नहीं, बल्कि पूरे देश का गौरव बन जाता है। (लेखक स्वतंत्र पत्रकार है) (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

एफसीआरए बिल पर हल्ला मचा रहे विपक्षी दलों और ईसाई संगठनों को मार्को रुबियो का बयान सुनना चाहिए

(नीरज कुमार दुबे)

केंद्र सरकार के आंकड़े बताते हैं कि पिछले कुछ वर्षों में एफसीआरए के तहत पंजीकृत सक्रिय संगठनों की संख्या घटी है, लेकिन विदेशी चंदे का प्रवाह बना हुआ है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2024-25 में 16,200 संगठनों को लगभग 22,963 करोड़ रुपये का विदेशी योगदान प्राप्त हुआ। केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) संशोधन विधेयक को लेकर देश में तो इस समय व्यापक बहस छिड़ी ही हुई है, साथ ही इसकी गूंज अमेरिका तक सुनाई दे रही है। दिलचस्प बात यह है कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो पहले स्वयं यह कह चुके हैं कि किसी भी देश में विदेशी फंड से संचालित संस्थाओं को वहां की संप्रभु सरकार के समानांतर व्यवस्था नहीं चलानी चाहिए और उन्हें मेजबान देश के कानूनों का सम्मान करना चाहिए। इसके बावजूद अमेरिकी सांसद राइली मूर भारत के प्रस्तावित कानून की आलोचना कर रहे हैं। दूसरी ओर, मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार ने उन्हें आश्वस्त किया है कि प्रस्तावित संशोधन को पूर्व प्रभाव (रेट्रोस्पेक्टिव) से लागू नहीं किया जाएगा। इन घटनाक्रमों के बीच मोदी सरकार का स्पष्ट संदेश है कि विदेशी धन प्राप्त करने वाले संगठनों के संचालन में पारदर्शिता, जवाबदेही और भारतीय कानूनों का पालन सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगा। हम आपको बता दें कि केंद्र सरकार के आंकड़े बताते हैं कि पिछले कुछ वर्षों में एफसीआरए के तहत पंजीकृत सक्रिय संगठनों की संख्या घटी है, लेकिन विदेशी चंदे का प्रवाह बना हुआ है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2024-25 में 16,200 संगठनों को लगभग 22,963 करोड़ रुपये का विदेशी योगदान प्राप्त हुआ। वहीं बड़ी संख्या में ऐसे संगठनों के एफसीआरए लाइसेंस निरस्त या समाप्त भी किए गए हैं। सरकार का कहना है कि केवल वैध पंजीकरण रखने वाले संगठनों को ही विदेशी धन प्राप्त करने और उसका उपयोग करने का अधिकार होना चाहिए। हम आपको बता दें कि सरकार द्वारा लाए गए संशोधन का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यदि किसी संस्था का एफसीआरए पंजीकरण समाप्त हो जाता है, रद्द हो जाता है, नवीनीकृत नहीं होता या संस्था स्वयं उसे छोड़ देती है, तो विदेशी धन से निर्मित परिसंपत्तियों के प्रबंधन के लिए एक नामित प्राधिकरण की व्यवस्था की जाएगी। यदि बाद में संस्था का पंजीकरण बहाल हो जाता है तो संबंधित संपत्तियां और अप्रयुक्त विदेशी योगदान वापस कर दिए जाएंगे। यदि ऐसा नहीं होता, तो कानून के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। केंद्र सरकार का तर्क है कि यह व्यवस्था किसी नए अधिकार का सृजन नहीं, बल्कि पहले से मौजूद प्रावधानों को अधिक स्पष्ट और व्यवस्थित बनाने का प्रयास है। वहीं प्रस्तावित संशोधन को लेकर कुछ चर्च संगठनों ने आशंकाएं भी व्यक्त की हैं। उनका कहना है कि कानून की कुछ धाराएं अत्यधिक कठोर हैं और उन्हें संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजा जाना चाहिए। इसी उद्देश्य से विभिन्न चर्च संगठनों के प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और अपनी आपत्तियां दर्ज कराईं। वहीं मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने अमित शाह के साथ बैठक के बाद कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री ने स्पष्ट आश्वासन दिया है कि प्रस्तावित संशोधन को पूर्व प्रभाव से लागू नहीं किया जाएगा। हम आपको यह भी बता दें कि केंद्र सरकार ने इन आशंकाओं का विस्तार से जवाब भी दिया है। सरकार का कहना है कि प्रस्तावित कानून किसी विशेष धर्म, समुदाय या विचारधारा को निशाना नहीं बनाता। एफसीआरए के प्रावधान सभी विदेशी चंदा प्राप्त करने वाले संगठनों पर समान रूप से लागू होते हैं। केंद्र सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि किसी धार्मिक स्थल से जुड़ी संपत्ति का मामला आता है तो उसके धार्मिक स्वरूप को कानूनन सुरक्षित रखा जाएगा। साथ ही, नामित प्राधिकरण के आदेश अंतिम नहीं होंगे और उनके विरुद्ध न्यायालय में अपील का अधिकार भी उपलब्ध रहेगा। उधर, इस पूरे विवाद का अंतरराष्ट्रीय पहलू भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। अमेरिकी सांसद राइली मूर ने आरोप लगाया कि यह कानून चर्चों और ईसाई संस्थाओं के खिलाफ है। हालांकि स्वयं अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने पिछले वर्ष यह कहा था कि विदेशी सहायता कार्यक्रम मेजबान देशों की सरकारों के समानांतर नहीं चलने चाहिए और विदेशी वित्तपोषित संस्थाओं को संबंधित देश की नीतियों और कानूनों के अनुरूप काम करना चाहिए। यही कारण है कि भारत के संदर्भ में उठ रही आलोचना पर दोहरे मापदंड का प्रश्न भी सामने आया है। देखा जाये तो लोकतंत्र में किसी भी कानून पर बहस और समीक्षा का अधिकार सभी को है, लेकिन भारत की संप्रभुता और राष्ट्रीय हित सर्वोपरि हैं। यदि कोई संगठन विदेशी चंदे के सहारे पूरी पारदर्शिता और भारतीय कानूनों का पालन करते हुए जनकल्याण का कार्य करता है, तो उसके लिए इस कानून से घबराने का कोई कारण नहीं होना चाहिए।

संसदीय-गतिरोध से नहीं चलेगा लोकतंत्र, संवाद ही है समाधान

लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, किंतु असहमति को अराजकता में बदल देना लोकतांत्रिक संस्कृति नहीं है। विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक सुझाव देना भी है। सरकार को कठघरे में खड़ा करना विपक्ष का अधिकार है, परंतु संसद को ठप कर देना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। लोकतंत्र में विरोध की भी मर्यादा होती है। जब विरोध संसद को चलने ही न दे, तब वह लोकतांत्रिक अधिकार नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक दायित्वों की उपेक्षा बन जाता है।

(ललित गर्ग)

लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, किंतु असहमति को अराजकता में बदल देना लोकतांत्रिक संस्कृति नहीं है। विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक सुझाव देना भी है। सरकार को कठघरे में खड़ा करना विपक्ष का अधिकार है, परंतु संसद को ठप कर देना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता।

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संसद है। यही वह सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है जहां राष्ट्र के वर्तमान और भविष्य से जुड़े विषयों पर गंभीर विमर्श होता है, सरकार जवाबदेह बनती है, विपक्ष जनभावनाओं को स्वर देता है और कानूनों के माध्यम से देश के विकास की दिशा तय होती है। लेकिन अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज संसद संवाद और सहमति का मंच बनने के बजाय टकराव, आरोप-प्रत्यारोप, नारेबाजी और राजनीतिक हठधर्मिता का अखाड़ा बनती जा रही है। मानसून सत्र में जिस प्रकार लगातार गतिरोध बना हुआ है, उससे केवल संसदीय कार्यवाही ही बाधित नहीं हो रही, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा भी आहत हो रही है। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजीजू और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बीच गतिरोध समाप्त करने के लिए हुई बातचीत भी किसी ठोस निष्कर्ष तक नहीं पहुंच सकी। यह स्थिति बताती है कि दोनों पक्ष अपने-अपने राजनीतिक आग्रहों में इतने उलझ गए हैं कि राष्ट्रहित पीछे छूट गया है। विपक्ष की ओर से यह शर्त रखी जा रही है कि जब तक कुछ विशेष मुद्दों पर सरकार सदन में बयान और चर्चा के लिए तैयार नहीं होती, तब तक संसद की कार्यवाही नहीं चलने दी जाएगी। दूसरी ओर सरकार भी अपने विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाने पर अडिग है। परिणाम यह है कि संसद का बहुमूल्य समय निरर्थक विवादों की भेंट चढ़ रहा है।

लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, किंतु असहमति को अराजकता में बदल देना लोकतांत्रिक संस्कृति नहीं है। विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक सुझाव देना भी है। सरकार को कठघरे में खड़ा करना विपक्ष का अधिकार है, परंतु संसद को ठप कर देना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। लोकतंत्र में विरोध की भी मर्यादा होती है। जब विरोध संसद को चलने ही न दे, तब वह लोकतांत्रिक अधिकार नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक दायित्वों की उपेक्षा बन जाता है। पिछले कुछ वर्षों से यह चिंताजनक प्रवृत्ति लगातार बढ़ी है कि संसद सत्र प्रारंभ होने से पहले ऐसे मुद्दे राजनीतिक रूप से उछाले जाते हैं, जिनके आधार पर पूरे सत्र को बाधित किया जा सके। परिणामस्वरूप अनेक महत्वपूर्ण विधेयक बिना पर्याप्त चर्चा के पारित हो जाते हैं अथवा कई विधेयक लंबित रह जाते हैं। इससे सबसे अधिक नुकसान देश को होता है। संसद का प्रत्येक मिनट करोड़ों रुपये की सार्वजनिक धनराशि से संचालित होता है। यदि वह समय केवल शोर-शराबे और नारेबाजी में बीत जाए तो यह करदाताओं के धन और लोकतांत्रिक विश्वास-दोनों का अपमान है।

लोकतंत्र में संवाद ही समाधान का सबसे प्रभावी माध्यम है। महात्मा गांधी से लेकर अटल बिहारी वाजपेयी तक भारतीय राजनीति की श्रेष्ठ परंपरा संवाद, सहमति और संवेदनशीलता की रही है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पक्ष और विपक्ष दोनों अपने-अपने दुराग्रह छोड़कर संवाद की मेज पर बैठें। संसद की गरिमा इस बात में नहीं कि कौन किसे अधिक कठघरे में खड़ा करता है, बल्कि इस बात में है कि राष्ट्रहित के प्रश्नों पर कितनी गंभीरता से विचार किया जाता है। विशेष रूप से कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी को यह समझना होगा कि लोकतंत्र केवल आंदोलन और विरोध का नाम नहीं है। विपक्ष की भूमिका सरकार को गिराने की नहीं, बल्कि लोकतंत्र को संभालने की होती है। यदि प्रत्येक मुद्दे पर संसद को बाधित करने की रणनीति अपनाई जाएगी तो जनता के बीच यह संदेश जाएगा कि विपक्ष के पास वैकल्पिक नीति और दृष्टि का अभाव है। लोकतंत्र में जनता केवल विरोध नहीं, समाधान भी चाहती है। यदि विपक्ष स्वयं संवाद से दूरी बनाएगा तो 'संवाद से समाधान' का आदर्श केवल नारा बनकर रह जाएगा। सरकार की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। लोकतंत्र में बहुमत का अर्थ मनमानी नहीं होता। सरकार को भी विपक्ष की उचित मांगों को सुनना चाहिए और जहां संभव हो, सहमति का मार्ग निकालना चाहिए। संसद किसी एक दल की नहीं, पूरे राष्ट्र की संस्था है। इसलिए सरकार को भी संवेदनशीलता, धैर्य और व्यापक दृष्टिकोण का परिचय देना होगा। किंतु यदि संवाद का प्रत्येक प्रयास केवल राजनीतिक शर्तों और हठधर्मिता में उलझ जाए तो समाधान की संभावनाएं स्वतः समाप्त हो जाती हैं। आज सबसे बड़ी आवश्यकता राजनीतिक परिपक्वता की है। दुर्भाग्य से भारतीय राजनीति में आग्रह, पूर्वाग्रह और दुराग्रह का प्रभाव बढ़ता जा रहा है। हर मुद्दे को चुनावी लाभ-हानि के चश्मे से देखा जा रहा है। संसद में बहस कम और राजनीतिक संदेश अधिक दिए जा रहे हैं। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र को कमजोर करती है। संसद का उद्देश्य जनकल्याणकारी नीतियों पर विचार करना है, न कि चुनावी रणनीतियों का मंच बन जाना। देश आज आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति, रोजगार, शिक्षा, कृषि, राष्ट्रीय सुरक्षा, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और सामाजिक समरसता जैसी अनेक चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है। ऐसे समय संसद का प्रत्येक दिन अत्यंत मूल्यवान है। यदि यह समय केवल राजनीतिक टकराव में व्यतीत होगा तो विकास की गति अवश्य प्रभावित होगी। कानूनों में विलंब, नीतिगत निर्णयों की देरी और संसदीय अस्थिरता का सीधा प्रभाव आम नागरिक के जीवन पर पड़ता है। भारतीय लोकतंत्र की मजबूती इस बात में नहीं कि संसद में कितना शोर हुआ, बल्कि इस बात में है कि वहां कितने सार्थक विचार सामने आए। स्वस्थ लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष प्रतिद्वंद्वी अवश्य होते हैं, किंतु शत्रु नहीं। दोनों का अंतिम लक्ष्य राष्ट्रहित होना चाहिए। यदि राजनीतिक दल इस मूल भावना को भूल जाएंगे तो लोकतंत्र केवल संख्या का खेल बनकर रह जाएगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि सभी राजनीतिक दल आत्ममंथन करें। विपक्ष अपने विरोध को रचनात्मक बनाए, सरकार अपने संवाद को व्यापक बनाए और दोनों मिलकर संसद की प्रतिष्ठा पुनः स्थापित करें। लोकतंत्र का भविष्य टकराव में नहीं, संवाद में सुरक्षित है। संसद की गरिमा नारेबाजी से नहीं, विचार-विमर्श से बढ़ती है। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में यदि संसद ही गतिरोध का प्रतीक बन जाएगी तो जनता का विश्वास कमजोर होगा, जो किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए शुभ संकेत नहीं है। समय की पुकार है कि राजनीति चुनावों की सीमाओं से ऊपर उठकर राष्ट्रनिर्माण की दिशा में आगे बढ़े। पक्ष और विपक्ष दोनों यह स्मरण रखें कि वे किसी दल के नहीं, पहले भारत के प्रतिनिधि हैं। संसद की प्रत्येक घड़ी राष्ट्र की अमूल्य धरोहर है। उसे हठ, अहंकार और राजनीतिक स्वार्थ की भेंट चढ़ाना भविष्य की पीढ़ियों के साथ अन्याय होगा। यदि लोकतंत्र को सशक्त बनाना है, संसद की प्रतिष्ठा पुनर्स्थापित करनी है और भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है, तो केवल एक ही मार्ग है-संवाद, सहमति और राष्ट्रहित। यही भारतीय लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति है और यही संसदीय मर्यादा का सर्वोच्च आदर्श। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है)। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

भाजपा सरकार आदिवासी विरोधी,विश्व आदिवासी दिवस पर बधाई भी नहीं दिया- देवचंद मतलाम

आरएसएस के विरोध के कारण आदिवासी मुख्यमंत्री अपने समाज का उत्सव नहीं मना पा रहा - कांग्रेस

जगदलपुर। संभाग मुख्यालय राजीव भवन जगदलपुर में PCC के निर्देश पर बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया.बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी के ग्रामीण अध्यक्ष प्रेमशंकर शुक्ला की अध्यक्षता में कोंडागांव के पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष देवचंद मतलाम ने आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा भाजपा सरकार आदिवासी विरोधी है विश्व आदिवासी दिवस पर बधाई भी नहीं दिया गया।विश्व आदिवासी दिवस का विरोध कर भाजपा ने आदिवासी अस्मिता का विरोध कर रही है ऋस् के विरोध के कारण आदिवासी मुख्यमंत्री अपने समाज तक का उत्सव नहीं मना पा रहे हैं।9 अगस्त को पूरी दुनियां के आदिवासियों ने विश्व आदिवासी दिवस मनाया लेकिन भाजपा के किसी भी नेता, आदिवासी नेता यहां तक की राष्ट्रपति और मुख्यमंत्री का भी आदिवासियों के लिए एक बधाई संदेश नहीं आया।2023 के पहले तो भाजपा के नेता विश्व आदिवासी दिवस की बधाई देते थे। आरएसएस आदिवासियों की संस्कृति और अस्मिता को नष्ट करना चाहती है। वह आदिवासियों को वनवासी बनाने पर तुली है। इसीलिए वह आदिवासी दिवस का विरोध करती है।आदिवासी दिवस दुनियां के सामने आदिवासी समाज की एकता, संस्कृति को सामने लाने का दिन है। आरएसएस आदिवासी संस्कृति को स्वतंत्र सभ्यता मानने का विरोध करती है। वह आदिवासियों को आज भी पिछलग्गू बना कर रखना चाहती है।देवचंद मतलाम ने आगे कहा भाजपा सरकार के द्वारा विश्व आदिवासी दिवस को शासकीय स्तर पर नहीं मनाया गया। जिस प्रदेश की 32 प्रतिशत आबादी आदिवासियों की हो, जहां पर दुनिया की सबसे प्राचीन आदिवासी सभ्यता निवास करती हो वहां की सरकार आदिवासी दिवस मनाने से परहेज कर रही है यह आदिवासी समाज का अपमान है।विश्व आदिवासी दिवस का आयोजन आदिवासी सभ्यता और संस्कृति पर गौरव का दिन है।आदिवासी संस्कृति दुनिया की सबसे प्राचीन और मौलिक संस्कृति है।इस दिवस को मनाने का उद्देश्य है कि दुनिया के सामने यह बताना कि आदिवासी समाज और उनकी सभ्यता किसी से कम नहीं यह दिन आदिवासी समाज के लिये गर्व का दिन है। प्रदेश का मुखिया आदिवासी समाज से आता है। उसके बाद प्रदेश में शासकीय तौर पर आदिवासी दिवस मनाने से परहेज किया गया।विश्व आदिवासी दिवस का विरोध कर भाजपा ने आदिवासियों व उनकी संस्कृति का जो खुला विरोध किया है उसे छत्तीसगढ़ के आदिवासी नहीं भूलेंगे और भाजपा को कभी माफ नहीं करेंगे।भाजपा आदिवासियों को सिर्फ वोट बैंक की तरह देखती है और इसीलिए उसने कहने को तो एक आदिवासी को मुख्यमंत्री बना दिया है, पर उन्हें अपने आदिवासी भाई बहनों के साथ उत्सव मनाने से भी रोक रही है। देवचंद मतलाम ने आगे बताया विश्व आदिवासी दिवस केवल उत्सव मनाने का दिन नहीं है। यह हमें अपनी जड़ों को याद करने का दिन है। यह दिन उन महान परंपराओं को नमन करने का दिन है, जिन्होंने सदियों से जल, जंगल, जमीन, प्रकृति और मानवता के बीच संतुलन बनाकर रखा है। हमारे आदिवासी समाज ने हमें सिखाया है कि जंगल केवल लकड़ी नहीं है, नदी केवल पानी नहीं है और जमीन केवल संपत्ति नहीं है। जंगल हमारा जीवन है, जल हमारी सांस है, जमीन हमारी पहचान है, और हमारी संस्कृति हमारी आत्मा है। छत्तीसगढ़ की पहचान आदिवासी संस्कृति के बिना अधूरी है। बस्तर की धरती हो, सरगुजा की पहाड़ियां हों, कांकेर, नारायणपुर, दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा, कोरबा, जशपुर, बलरामपुर और गरियाबंद के वनांचल हों हर जगह आदिवासी समाज ने अपनी मेहनत, संस्कृति और संघर्ष से छत्तीसगढ़ की पहचान बनाई है।यह दिन वीर आदिवासी नायकों को नमन का दिन है। आज के दिन हम उन सभी आदिवासी वीरों और वीरांगनाओं को नमन करते हैं, जिन्होंने अन्याय और शोषण के खिलाफ संघर्ष किया। हम भगवान बिरसा मुंडा, शहीद वीर नारायण सिंह, गुंडाधुर और देश के असंख्य ज्ञात-अज्ञात आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धापूर्वक याद करते हैं। इन वीरों ने हमें सिखाया कि अन्याय के सामने झुकना नहीं है। उन्होंने हमें सिखाया कि अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करना अपराध नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक अधिकार है।आदिवासी समाज की अस्मिता से कोई समझौता नहीं होगा।आदिवासी अधिकारों से कोई समझौता नहीं होगा। जल-जंगल-जमीन के अधिकार से कोई समझौता नहीं होगा।भाजपा और आरएसएस भले ही आदिवासी दिवस का विरोध करे.किन्तु आदिवासी समाज इसे गर्व से मनाता रहा है,मनाता रहेगा। इस प्रेसवार्ता में मुख्य रूप से पूर्व विधायक रेखचंद जैन,पूर्व सभापति कविता साहू,नेता प्रतिपक्ष राजेश चौधरी,जिला उपाध्यक्ष बालेश दुबे,महामंत्री अभिषेक नायडू,सुभाष गुलाटी, नीतीश शर्मा,रविशंकर तिवारी, संजय पाणिग्रही,ब्लॉक अध्यक्ष सूर्यापानी,गणेश बघेल,धरमुराम कश्यप,सूरज कश्यप, छबिलाल,नारायण बघेल,बुधराम कश्यप,मोतीराम कश्यप, मीडिया प्रभारी शादाब अहमद,पार्षद रामकृष्ण तिवारी,उस्मान रजा आदि मौजूद रहे।

कोण्डागांव में आंध्रप्रदेश के चावल से लदे दो ट्रक जांच के बाद छोड़े गए, कार्रवाई के आधार पर उठे सवाल

कोण्डागांव। छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है, ऐसे में आंध्रप्रदेश से चावल लेकर छत्तीसगढ़ के रास्ते राजनांदगांव जा रहे दो ट्रकों को जांच के बाद छोड़ दिए जाने का मामला चर्चा में है। खाद्य विभाग की जांच के बाद दोनों वाहनों को छोड़े जाने से परिवहन किए जा रहे चावल के स्रोत, दस्तावेज और जांच प्रक्रिया को लेकर सवाल उठ रहे हैं। जानकारी अनुसार, सिटी कोतवाली पुलिस ने चावल से भरे दो ट्रकों को रोककर थाना परिसर में रखा था। अगले दिन दोनों वाहनों को छोड़ दिया गया। इसके बाद मीडिया कर्मियों की सूचना और हस्तक्षेप के बाद दोनों ट्रकों को दोबारा रोका गया, जिसके बाद खाद्य विभाग को इसकी जानकारी दी गई। सूचना मिलने पर जिला खाद्य अधिकारी नवीन श्रीवास्तव मौके पर पहुंचे और चावल व संबंधित दस्तावेजों की जांच की। जांच के दौरान चावल की बोरियों पर किसी राइस मिल का स्पष्ट टैग नहीं होने और बोरियों की पैकिंग अलग-अलग तरीके की होने की बात सामने आई। हालांकि जांच के बाद 10 अगस्त की शाम दोनों ट्रकों को छोड़ दिया गया। विभाग की ओर से ट्रकों को छोड़े जाने के संबंध में विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है।

खाद्य अधिकारी ने सवालों का जवाब देने से किया इनकार

मीडिया कर्मियों ने जिला खाद्य अधिकारी से चावल के स्रोत, परिवहन दस्तावेज और जांच के निष्कर्ष को लेकर जानकारी मांगी, लेकिन उन्होंने कैमरे पर प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि जो लिखना है लिख दें। ऐसे में जांच के बाद दोनों ट्रकों को किस आधार पर छोड़ा गया, इसको लेकर सवाल उठ रहे हैं।

केशकाल में 680 बोरी चावल जब्ती के बाद तुलना

इसी तरह 7 अगस्त को केशकाल क्षेत्र में प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए एक ट्रक से 680 बोरी चावल जब्त किया था। अंतरराज्यीय चावल परिवहन से जुड़े इस मामले में ट्रक को रोककर कार्रवाई की गई थी। अब कोण्डागांव में जांच के बाद दो ट्रकों को छोड़े जाने और केशकाल में जब्ती की कार्रवाई के बीच अंतर को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। लोगों का सवाल है कि यदि दोनों मामलों में दस्तावेज या परिस्थितियां अलग थीं तो इसकी जानकारी स्पष्ट की जानी चाहिए। वहीं यदि कोण्डागांव में पकड़े गए ट्रकों के दस्तावेज सही पाए गए थे, तो विभाग को जांच के आधार और चावल के वैध स्रोत की जानकारी सार्वजनिक करनी चाहिए।

आंध्रप्रदेश से छत्तीसगढ़ तक चावल परिवहन पर उठे सवाल

मामले में यह भी सवाल उठ रहा है कि आंध्रप्रदेश से राजनांदगांव तक चावल परिवहन किस अनुमति और किस दस्तावेज के आधार पर किया जा रहा था। यदि यह चावल सार्वजनिक वितरण प्रणाली से जुड़ा था तो उसके स्रोत, स्टॉक और गंतव्य का सत्यापन किस प्रक्रिया के तहत किया गया, यह स्पष्ट होना जरूरी है। वहीं, आंध्रप्रदेश के विजयवाड़ा जिला सिविल सप्लाई विभाग से जुड़े दस्तावेजों में जब्त पीडीएस चावल के निस्तारण के लिए नीलामी और सक्षम आदेश के बाद स्टॉक जारी करने की प्रक्रिया का उल्लेख मिलता है। इससे यह सवाल भी उठता है कि यदि किसी राज्य के पीडीएस स्टॉक से जुड़ा चावल दूसरे राज्य में भेजा जा रहा था, तो उसके लिए निर्धारित प्रक्रिया और दस्तावेज क्या थे।

राजनीतिक दबाव के दावे की पुष्टि नहीं

स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि दोनों ट्रक किसी राजनीतिक व्यक्ति या समर्थक से जुड़े हो सकते हैं और उन्हें छुड़ाने के लिए दबाव बनाया गया। हालांकि इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में वाहन मालिकों और संबंधित पक्षों का पक्ष सामने आना भी जरूरी है। फिलहाल मामला केवल दो ट्रकों को छोड़े जाने तक सीमित नहीं है, बल्कि खाद्य विभाग की जांच प्रक्रिया और कार्रवाई के मानकों को लेकर भी सवाल खड़े कर रहा है।

प्रशासन से मांग की जा रही है कि स्पष्ट किया जाए कि दोनों ट्रकों में लदा चावल कहां से आया, किस उद्देश्य से ले जाया जा रहा था और जांच के बाद उन्हें छोड़ने का आधार क्या था।

विश्व आदिवासी दिवस का विरोध कर भाजपा ने किया आदिवासी अस्मिता का किया अपमान : चन्दन कश्यप

नारायणपुर। पूर्व विधायक चन्दन कश्यप ने कहा कि पूरी दुनिया में विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया, लेकिन छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार द्वारा इसे शासकीय स्तर पर नहीं मनाना आदिवासी समाज का अपमान है। प्रदेश की करीब 32 प्रतिशत आबादी आदिवासी समाज की है और मुख्यमंत्री भी आदिवासी समाज से आते हैं, इसके बावजूद सरकार द्वारा इस महत्वपूर्ण दिवस से दूरी बनाना दुर्भाग्यपूर्ण है।चन्दन कश्यप ने कहा कि 2023 से पहले भाजपा नेता भी विश्व आदिवासी दिवस की बधाई देते थे, लेकिन सत्ता में आने के बाद भाजपा का रवैया बदल गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि आरएसएस आदिवासियों की स्वतंत्र संस्कृति और पहचान को कमजोर कर उन्हें 'वनवासी' की पहचान तक सीमित करना चाहती है। उन्होंने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि आदिवासी समाज की संस्कृति, अस्मिता, अधिकार और जल-जंगल-जमीन से जुड़े संघर्ष को दुनिया के सामने रखने का अवसर है। छत्तीसगढ़ की पहचान आदिवासी संस्कृति के बिना अधूरी है। चन्दन कश्यप ने भगवान बिरसा मुंडा, शहीद वीर नारायण सिंह, गुंडाधुर सहित सभी ज्ञात-अज्ञात आदिवासी वीरों को नमन करते हुए कहा कि आदिवासी समाज ने सदियों से प्रकृति और मानव जीवन के बीच संतुलन कायम रखा है। भाजपा आदिवासियों को केवल वोट बैंक के रूप में देखती है। आदिवासी अस्मिता, संस्कृति और अधिकारों से कोई समझौता नहीं होगा। भाजपा विश्व आदिवासी दिवस का विरोध करे, लेकिन आदिवासी समाज इसे गर्व के साथ मनाता रहा है और आगे भी मनाता रहेगा। इस प्रेस वार्ता मे प्रदेश पदाधिकारी रजनू नेताम, देवनाथ उसेंडी, शिव कुमार पांडे, विशेल नाग जिला अध्यक्ष राजेश दीवान, कोषाध्यक्ष वी पी शुक्ला, महामंत्री संगठन संजय राय, महामंत्री प्रशासनिक तौहीद खान, शहर महामंत्री, शहर प्रभारी रवि देवांगन, महामंत्री प्रवक्ता अमित भद्र, शहर अध्यक्ष रघु मानिकपूरी, ब्लॉक अध्यक्ष पंडी वट्टे, महेश कश्यप, मलेश मंडावी, युवा कांग्रेस अध्यक्ष बोधन देवांगन, विजय सलाम, जय वट्टी, महामंत्री राजू देहारी, शब्बीर भाईजान, पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष प्रमोद नेलवाल, इरफान खान, राकेश केशरिया, रमेश ध्रुव, शेख सर्वर, चैनसिंह भोयर सूनीलाल उपस्थित रहे।

विश्व आदिवासी दिवस का विरोध कर भाजपा ने किया आदिवासी अस्मिता का किया अपमान : चन्दन कश्यप

नारायणपुर। पूर्व विधायक चन्दन कश्यप ने कहा कि 9 अगस्त को पूरी दुनिया में विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया, लेकिन छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार द्वारा इसे शासकीय स्तर पर नहीं मनाना आदिवासी समाज का अपमान है। प्रदेश की करीब 32 प्रतिशत आबादी आदिवासी समाज की है और मुख्यमंत्री भी आदिवासी समाज से आते हैं, इसके बावजूद सरकार द्वारा इस महत्वपूर्ण दिवस से दूरी बनाना दुर्भाग्यपूर्ण है।चन्दन कश्यप ने कहा कि 2023 से पहले भाजपा नेता भी विश्व आदिवासी दिवस की बधाई देते थे, लेकिन सत्ता में आने के बाद भाजपा का रवैया बदल गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि आरएसएस आदिवासियों की स्वतंत्र संस्कृति और पहचान को कमजोर कर उन्हें 'वनवासी' की पहचान तक सीमित करना चाहती है। उन्होंने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि आदिवासी समाज की संस्कृति, अस्मिता, अधिकार और जल-जंगल-जमीन से जुड़े संघर्ष को दुनिया के सामने रखने का अवसर है। छत्तीसगढ़ की पहचान आदिवासी संस्कृति के बिना अधूरी है।चन्दन कश्यप ने भगवान बिरसा मुंडा, शहीद वीर नारायण सिंह, गुंडाधुर सहित सभी ज्ञात-अज्ञात आदिवासी वीरों को नमन करते हुए कहा कि आदिवासी समाज ने सदियों से प्रकृति और मानव जीवन के बीच संतुलन कायम रखा है।

उन्होंने कहा कि भाजपा आदिवासियों को केवल वोट बैंक के रूप में देखती है। आदिवासी अस्मिता, संस्कृति और अधिकारों से कोई समझौता नहीं होगा। भाजपा विश्व आदिवासी दिवस का विरोध करे, लेकिन आदिवासी समाज इसे गर्व के साथ मनाता रहा है और आगे भी मनाता रहेगा।इस प्रेस वार्ता मे प्रदेश पदाधिकारी रजनू नेताम, देवनाथ उसेंडी, शिव कुमार पांडे, विशेल नाग जिला अध्यक्ष राजेश दीवान, कोषाध्यक्ष वी पी शुक्ला, महामंत्री संगठन संजय राय, महामंत्री प्रशासनिक तौहीद खान, शहर महामंत्री, शहर प्रभारी रवि देवांगन, महामंत्री प्रवक्ता अमित भद्र,शहर अध्यक्ष रघु मानिकपूरी, ब्लॉक अध्यक्ष पंडी वट्टे, महेश कश्यप, मलेश मंडावी, युवा कांग्रेस अध्यक्ष बोधन देवांगन, ह्रस्द्धु अध्यक्ष विजय सलाम,जय वट्टी,महामंत्री राजू देहारी, शब्बीर भाईजान, पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष प्रमोद नेलवाल, इरफ़ान खान, राकेश केशरिया,रमेश ध्रुव,शेख सर्वर, चैनसिंह भोयर सूनीलाल मौजूद रहे।

सद्गुरु कबीर धनिधर्मदास साहेब एवं माता-पिता के नाम पर किया पौधारोपण, 1200 से अधिक पौधे रोपित

कबीर पंथ अनुयायियों ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में रचा नया संदेश

जगदलपुर। पर्यावरण संरक्षण को केवल अभियान नहीं, बल्कि सामाजिक और आध्यात्मिक जिम्मेदारी मानते हुए बस्तर जिले के कबीर पंथ अनुयायियों ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। सद्गुरु कबीर धनिधर्मदास वंशावली मिशन के प्रवर्तक एवं कबीर पंथ के सोलहवें वंशाचार्य पंथ श्री हुजूर उदितमुनि नाम साहेब जी के आह्वान पर 9 अगस्त को जिले के विभिन्न क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर पौधारोपण अभियान चलाया गया।इस अभियान के दौरान कबीर पंथ अनुयायियों ने विश्व वंदनीय सद्गुरु कबीर धनिधर्मदास साहेब एवं अपने माता-पिता के नाम पर पौधे रोपित कर उनके संरक्षण का संकल्प लिया। अभियान का उद्देश्य केवल पौधे लगाना नहीं, बल्कि समाज में पर्यावरण संरक्षण के प्रति स्थायी जागरूकता पैदा करना और लगाए गए पौधों को वृक्ष बनने तक सुरक्षित रखना रहा। छह क्षेत्रों में पहुंचा पर्यावरण संरक्षण का संदेश-सद्गुरु कबीर धनिधर्मदास वंशावली मिशन जिला इकाई बस्तर के प्रतिनिधि श्याम दीवान, परोपकारी प्रतिनिधि पवनदास बघेल, महिला प्रतिनिधि श्रीमती हीरामनी सेठिया, जिला सलाहकार महंत लक्ष्मीकांत पंत तथा भानपुरी तहसील प्रतिनिधि विधियाधर के संयुक्त नेतृत्व में अभियान को आगे बढ़ाया गया। अभियान के तहत भानपुरी, करपावंड, बकावंड, लोहंडीगुड़ा, तोकापाल एवं जगदलपुर क्षेत्र में निवासरत कबीर पंथ अनुयायियों को पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। इस दौरान फलदार एवं छायादार पौधों का वितरण करते हुए अनुयायियों से पौधारोपण के साथ-साथ उनके संरक्षण की भी अपील की गई।आम, जामुन, कटहल, नींबू और नीम सहित 1200 से अधिक पौधे रोपे जिला प्रतिनिधि श्याम दीवान ने बताया कि।

तर्रेम में पुनर्वासित माओवादियों से पुलिस ने किया संवाद, 15 अगस्त समाज के साथ मनाने की अपील

ग्रामीणों के साथ बैठक में शांति और विकास पर चर्चा, योजनाओं का लाभ लेकर परिवार के साथ सामान्य जीवन जीने की समझाइश

बीजापुर। तर्रेम थाना परिसर में बीते मंगलवार को पुनर्वासित माओवादियों और ग्रामीणों की बैठक हुई। पुलिस ने मुख्यधारा में लौटे पुनर्वासित माओवादियों से हिंसा से दूर रहकर परिवार और समाज के साथ सामान्य जीवन जीने की अपील की। बैठक में विशेष रूप से 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समाज के साथ मिलकर मनाने का आह्वान किया गया।

पुलिस ने बताया कि पुनर्वासित माओवादियों की थाना स्तर पर लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। उनके पुनर्वास की प्रक्रिया को सुचारू बनाए रखने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन और सहयोग भी दिया जा रहा है। बैठक में उन्हें शासन की पुनर्वास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेकर आत्मनिर्भर बनने तथा रोजगार के अवसरों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया। ग्रामीणों से सहयोग की अपील- बैठक में ग्रामीणों से गांव और आसपास के क्षेत्र में किसी संदिग्ध व्यक्ति, असामाजिक तत्व या संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को देने कहा गया। पुलिस ने कहा कि क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए पुलिस और ग्रामीणों के बीच सहयोग जरूरी है। ग्रामीणों को शासन की रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, जनकल्याण और पुनर्वास योजनाओं की जानकारी दी गई। पात्र हितग्राहियों से योजनाओं का लाभ लेने की अपील की गई। इस दौरान ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनी गईं और उनके निराकरण के लिए आवश्यक सहयोग का भरोसा दिलाया गया।

शिक्षा, खेल और रोजगार से जुड़ने पर जोर-पुलिस ने युवाओं को शिक्षा, खेल और रोजगार के अवसरों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजने और गांव में आपसी भाईचारा मजबूत करने की अपील की गई।हिंसा छोड़ मुख्यधारा से जुड़ने का संदेश-पुलिस ने कहा कि हिंसा का रास्ता छोड़कर लोकतांत्रिक व्यवस्था और समाज की मुख्यधारा से जुड़ना ही सुरक्षित भविष्य का रास्ता है। आत्मसमर्पित और पुनर्वासित माओवादियों से 15 अगस्त को समाज के साथ हर्षोल्लास और राष्ट्रप्रेम की भावना से स्वतंत्रता दिवस मनाने की अपील की गई।

बैठक का उद्देश्य

- पुनर्वासित माओवादियों और ग्रामीणों के बीच संवाद बढ़ाना- पुनर्वासित लोगों को सामान्य जीवन के लिए प्रेरित करना- शासन की योजनाओं से पात्र लोगों को जोड़ना- संदिग्ध गतिविधियों की सूचना पुलिस तक पहुंचाना- क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और विकास के लिए जनसहयोग बढ़ाना

देवी-देवताओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी से भड़का बजरंग दल, अरुण पन्नालाल के पुतले को दी प्रतीकात्मक फांसी

केशकाल। हिंदू देवी-देवताओं और पवित्र शिवलिंग को लेकर सोशल मीडिया पर की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने केशकाल में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। संगठन ने हंसराज गोयल और अरुण पन्नालाल के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर पहले अनुविभागीय कार्यालय पहुंचकर शिकायत पत्र सौंपा। इसके बाद कार्यकर्ता केशकाल बस स्टैंड में एकत्रित हुए और विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने अरुण पन्नालाल के नाम से बनाए गए पुतले को जूतों की माला पहनाकर बस स्टैंड परिसर में घुमाया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी करते हुए सोशल मीडिया पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर अपना आक्रोश जताया। इसके बाद बस स्टैंड के मध्य पुतले को प्रतीकात्मक रूप से फांसी दी गई। संगठन ने अंतिम सावन सोमवार को पुतला दहन करने की योजना भी बनाई है। विरोध प्रदर्शन के दौरान आंदोलनकारी नीरज अग्निहोत्री ने कहा कि हंसराज गोयल और अरुण पन्नालाल जैसे लोगों द्वारा हिंदू देवी-देवताओं और धार्मिक प्रतीकों को लेकर कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी टिप्पणियों से हिंदू समाज की धार्मिक भावनाएं आहत होती हैं और अब इस तरह के कृत्यों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हिंदू समाज लंबे समय से सहिष्णुता का परिचय देता आया है, लेकिन धार्मिक आस्था और देवी-देवताओं के प्रति अपमानजनक व्यवहार के खिलाफ अब समाज में जागरूकता बढ़ रही है। उन्होंने प्रशासन से मामले की गंभीरता से जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। वीएचपी और बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने कहा कि उनका विरोध धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली कथित टिप्पणियों के खिलाफ है।

संक्षिप्त समाचार

बिलासपुर में पति-पत्नी की संदिग्ध मौत, किराए के मकान में फांसी के फंदे पर मिले शव

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ की न्यायधानी बिलासपुर में मंगलवार को पति-पत्नी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। सिरगिट्टी थाना क्षेत्र के नयापारा वार्ड नंबर 12 स्थित किराए के मकान में दोनों के शव फांसी के फंदे पर लटके मिले। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। मृतकों की पहचान रमेश सिंह बंजारा और माया बंजारा के रूप में हुई है। दोनों मूल रूप से मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले के जामकछार के रहने वाले थे और अपने दो बच्चों के साथ बिलासपुर में किराए के मकान में रहते थे। रमेश इंडस्ट्रियल क्षेत्र की एक कंपनी में काम करता था।

बच्चों के रोने की आवाज सुनकर पहुंचा मकान मालिक

जानकारी के मुताबिक मंगलवार सुबह करीब 5 बजे मकान से दोनों बच्चों के जोर-जोर से रोने की आवाज सुनाई दी। आवाज सुनकर मकान मालिक रमेश कुमार साहू वहां पहुंचे। कमरे के अंदर का दृश्य देखकर उनके होश उड़ गए। पति-पत्नी फांसी के फंदे पर लटके हुए थे। मकान मालिक ने तत्काल परिजनों और पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही सिरगिट्टी पुलिस और स्नरुकी टीम मौके पर पहुंची।

पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए शव

पुलिस ने दोनों शवों को फंदे से नीचे उतारकर पंचनामा कार्रवाई की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौके से पुलिस द्वारा साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। फ्लिहाल पति-पत्नी की मौत के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस मामले की सभी पहलुओं से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी। घटना के बाद दोनों मासूम बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर मामले की परिस्थितियों का पता लगाने में जुटी हुई है।

सीजी-टेट -2024: हटाए गए सवालों को दोबारा शामिल करने की मांग वाली याचिकाएं हाईकोर्ट ने खारिज कीं

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने सीजी-टेट-2024 की फाइनल आंसर-की से हटाए गए प्रश्नों को दोबारा शामिल करने की मांग को लेकर दायर याचिकाओं को खारिज कर दिया है। जस्टिस अमितेंद्र किशोर प्रसाद की सिंगल बेंच ने कहा कि परीक्षा और अकादमिक मूल्यांकन से जुड़े मामलों में अदालतें विशेषज्ञों की राय में सामान्यत: दखल नहीं दे सकतीं। हस्तक्षेप तभी किया जा सकता है, जब निर्णय स्पष्ट रूप से मनमाना, दुर्भावनापूर्ण या कानून के विपरीत साबित हो।

20 अभ्यर्थियों ने दायर की थी याचिका

मामले में 20 अभ्यर्थियों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि सीजी-टेट-2024 की फाइनल आंसर-की में कुछ प्रश्नों को हटाना परीक्षा के निर्देशों के अनुरूप नहीं था। फाइनल आंसर-की में सेट-ब का प्रश्न क्रमांक 56, सेट-क का प्रश्न क्रमांक 55 तथा सेट-ष्ट और ष्ठ का प्रश्न क्रमांक 57 हटा दिया गया था। याचिकाकर्ताओं के अनुसार मॉडल आंसर-की के आधार पर उनके अंक क्वालिफाइंग मार्क्स तक पहुंच रहे थे, लेकिन प्रश्न हटाए जाने के बाद उनके अंक 74.5 से 74.9 के बीच रह गए। ओबीसी, एससी और एसटी वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम पात्रता अंक 75 निर्धारित थे। ऐसे में याचिकाकर्ताओं का दावा था कि वे महज एक अंक या उससे कम अंतर के कारण पात्रता से बाहर हो गए।

प्रिंटिंग की गलती के कारण बनी स्थिति

मामले की सुनवाई के दौरान ष्टल व्यापमं की ओर से बताया गया कि विवादित प्रश्न एक ही गद्यांश पर आधारित थे। कुछ सेट में प्रिंटिंग संबंधी त्रुटि के कारण गद्यांश और उससे जुड़े प्रश्न सही क्रम में नहीं थे। इसके चलते अभ्यर्थियों को संबंधित गद्यांश पढ़ने से पहले ही उससे जुड़े प्रश्न हल करने की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। व्यापमं ने इस मामले को विषय विशेषज्ञों की समिति के समक्ष रखा था।

विशेषज्ञ समिति की सिफारिश पर हटाए गए प्रश्न

विषय विशेषज्ञों की समिति ने सभी सेट में संबंधित प्रश्नों को हटाने की सिफारिश की। समिति का मत था कि सभी अभ्यर्थियों के साथ समान व्यवहार सुनिश्चित करने के लिए इन प्रश्नों को हटाना उचित होगा। व्यापमं ने कोर्ट को यह भी बताया कि हटाए गए प्रश्नों के अंक परीक्षा निर्देशों में निर्धारित फार्मूले के अनुसार सभी अभ्यर्थियों को समान रूप से दिए गए थे। हाईकोर्ट ने रिकॉर्ड और मामले की पूरी प्रक्रिया का अवलोकन करने के बाद माना कि विवादित प्रश्नों को हटाने का फैसला बिना विचार किए नहीं लिया गया था। यह निर्णय विषय विशेषज्ञों की राय और आपत्तियों पर विचार के बाद लिया गया था। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि प्रोविजनल या मॉडल आंसर-की के आधार पर क्वालिफाइंग मार्क्स प्राप्त कर लेने मात्र से अभ्यर्थी का कोई कानूनी अधिकार नहीं बन जाता। परीक्षा का अंतिम परिणाम फाइनल आंसर-की के आधार पर तैयार किया जाता है।

बिलासपुर स्टेशन पर यात्रियों को मिली नई सुविधा, शुरू हुई बाइक रेंटल सेवा

प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक विजय ने किए विधिवत शुभारंभ

■ स्थानीय आवागमन होगा आसान, समय एवं खर्च दोनों की होगी बचत

बिलासपुर। बिलासपुर रेल मंडल द्वारा यात्रियों की सुविधा एवं बेहतर स्थानीय परिवहन व्यवस्था की दिशा में एक अभिनव पहल करते हुए बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर बाइक रेंटल सेवा प्रारंभ की गई है। स्टेशन के कोच रेस्टोरेंट के समीप उपलब्ध इस सुविधा का विधिवत शुभारंभ आज प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक श्री विजय कुमार द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह सहित वाणिज्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। यह दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की पहली बाइक रेंटल सेवा है, जिसे यात्रियों को स्टेशन से शहर के विभिन्न स्थानों तक आने-जाने के लिए सुविधाजनक, किफायती और त्वरित स्थानीय परिवहन विकल्प उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू किया गया है।

यात्रियों को होंगे कई फायदे

बाइक रेंटल सेवा विशेष रूप से उन यात्रियों के लिए उपयोगी होगी, जिन्हें बिलासपुर में कम दूरी के लिए त्वरित आवागमन की आवश्यकता होती है। इसके माध्यम से यात्री टैक्सी या ऑटो के लिए इंतजार किए बिना अपनी सुविधा के अनुसार यात्रा कर सकेंगे। इससे न केवल यात्रा में लगने वाले समय की बचत होगी, बल्कि स्थानीय आवागमन पर होने वाला खर्च भी कम किया जा सकेगा। यह सुविधा पर्यटकों, छात्रों, व्यवसायिक यात्रियों तथा स्थानीय नागरिकों के लिए भी उपयोगी साबित होगी। स्टेशन से शहर के प्रमुख स्थानों तक आसानी से पहुंचने के साथ-साथ यात्री अपने समय के अनुसार शहर का भ्रमण भी कर सकेंगे।

उपलब्धता एवं सेवा शुल्क

बाइक रेंटल सेवा 24 घंटे एवं सप्ताह के सातों दिन उपलब्ध रहेगी। इस सुविधा का लाभ लेने के लिए वैध ड्राइविंग लाइसेंस एवं आधार कार्ड प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। बाइक किराये की दर 04 घंटे तक 100 रुपए, 4 से 8 घंटे तक 200 रुपए, 08 से 16 घंटे तक 300 रुपए तथा 16 से 24 घंटे तक 400 रुपए निर्धारित है बिलासपुर स्टेशन पर यह सुविधा शुरू होने से रेल यात्रियों को स्टेशन से उनके गंतव्य तक पहुंचने के लिए एक सुविधाजनक, किफायती एवं स्वतंत्र परिवहन विकल्प उपलब्ध होगा। यह पहल यात्री सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ रेलवे स्टेशनों पर आधुनिक एवं यात्री-केंद्रित सेवाओं को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पूर्व मुख्यमंत्री बघेल से मिले कांग्रेसी बलरामपुर आने का दिया गयान्यौता

बलरामपुर — प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से बलरामपुर जिले के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को रायपुर स्थित उनके निवास पर सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने जिले में चल रहे संगठनात्मक कार्यक्रमों और मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों से पूर्व मुख्यमंत्री को अवगत कराया। कार्यकर्ताओं ने जिले में संगठन को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं में उत्साह बढ़ाने के लिए भूपेश बघेल को बलरामपुर जिले के दौरे का न्यौता दिया। मुलाकात के दौरान जिले की राजनीतिक एवं स्थानीय परिस्थितियों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। इस अवसर पर पूर्व विधायक सामरी महेश्वर पैकरा, वरिष्ठ कांग्रेसी दानिश रफीक अंबिकापुर किसान कांग्रेस प्रदेश सचिव जशवंत सिंह, वरिष्ठ समाजसेवी लखनपुर बृजमोहन अग्रवाल, पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष शंकरगढ़ सत्यनारायण अग्रवाल, वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ता उम्मत रसूल (भोला), हीरालाल यादव, विनोद तिवारी, सागर सिंह, जसीम अंसारी, रमेश यादव, पार्षद विश्वास कुमार गुप्ता, युवा कांग्रेस कार्यकर्ता राहुल गुप्ता एवं सुजीत पैकरा उपस्थित रहे।

शराब दुकान लूटकांड का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार..

बिलासपुर। कर्ज चुकाने के लिए सरकारी शराब दुकान की नकदी लूटने निकले आरोपियों की साजिश पुलिस ने नाकाम कर दी है। मस्तूरी थाना क्षेत्र के गतौरा स्थित शासकीय कम्पोजिट मदिरा दुकान में हुई लूट की वारदात का पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं मामले में शामिल एक आरोपी अब भी फरार है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल, स्कूटी, गैस कटर, ग्राइंडर कटर मशीन, छेनी, चाकू और लूटे गए दो मोबाइल बरामद किए हैं। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने कर्ज के बोझ से निकलने के लिए शराब दुकान की नकदी लूटने की योजना बनाई थी। इसके लिए उन्होंने गैस कटर, ग्राइंडर मशीन, रस्सी और चाकू समेत कई औजार जुटाए थे। वारदात से पहले आरोपी मोपका स्थित शराब दुकान पहुंचे, लेकिन वहां ज्यादा चहल-पहल देखकर उन्होंने योजना बदल दी और गतौरा शराब दुकान को निशाना बनाया। 3 अगस्त की सुबह करीब साढ़े तीन बजे चार नकाबपोश आरोपी गतौरा स्थित शराब दुकान में घुसे। उन्होंने वहां तैनात सुरक्षाकर्मियों साहिल राय और हरकुंवर पंकज को चाकू की नोक पर धमकाकर दुकान की चाबी मांगी। चाबी नहीं होने पर आरोपियों ने हरकुंवर पंकज के सिर, माथे और हाथ पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। इसके बाद दोनों सुरक्षाकर्मियों के हाथ-पैर बांध दिए गए। आरोपी दुकान के अंदर पहुंचे और गैस कटर व ग्राइंडर मशीन से लॉकर काटने लगे। काफी कोशिश के बाद भी लॉकर नहीं टूटा। नकदी नहीं मिलने पर आरोपी दुकान से शराब की कुछ बोतलें, दोनों सुरक्षाकर्मियों के मोबाइल और सीसीटीवी कैमरा व डीवीआर लेकर फरार हो गए। वारदात के बाद आरोपियों ने सीसीटीवी का डीवीआर नदी में फेंक दिया, ताकि पुलिस को कोई सुराग न मिल सके। लेकिन पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के इलाकों में लगे अन्य सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों की जांच शुरू की। इसी जांच के आधार पर पुलिस आरोपियों तक पहुंच गई। एसएसपी रजनेश सिंह के निर्देश पर मस्तूरी थाना और एसीसीयू की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए अनिल ध्रुव उर्फअन्ना (24), पिंटू निषाद (25) और सुशील निर्मलकर (24) को गिरफ्तार कर लिया।

नवपदस्थ संयुक्त संचालक शिक्षा डा राजेश से टीचर्स एसोसिएशन ने की सौजन्य भेंट..

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन सरगुजा के प्रतिनिधिमंडल ने सरगुजा संभाग के नवपदस्थ संयुक्त संचालक (शिक्षा) डा राजेश सिंह से सौजन्य भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें नवीन दायित्व के लिए शुभकामनाएं देते हुए शिक्षा व्यवस्था एवं शिक्षक हितों से जुड़े विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा की। यह सौजन्य भेंट संघ की प्रांतीय उपाध्यक्ष एवं सरगुजा संभाग प्रभारी मुकेश मुदलियार तथा प्रांतीय महामंत्री रंजय सिंह के मार्गदर्शन में एवं सरगुजा जिलाध्यक्ष कमलेश सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुई। इस अवसर पर संयुक्त संचालक (शिक्षा) राजेश सिंह ने कहा कि सरगुजा संभाग में शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार लाना, शैक्षणिक गतिविधियों को अधिक प्रभावी बनाना तथा शिक्षकों एवं कर्मचारियों की समस्याओं का नियमानुसार निराकरण उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा। उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं शिक्षकों से आपसी समन्वय और सकारात्मक सहयोग के साथ कार्य करने की अपेक्षा व्यक्त की। संयुक्त संचालक श्री सिंह ने अपने पूर्व सहयोगियों एवं कर्मचारियों से भी आत्मीय मुलाकात की और पुराने अनुभवों को साझा किया। उन्होंने सभी से मिल रहे सहयोग एवं आत्मीयता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से संभाग की शिक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाया जा सकता है। इस अवसर पर संघ के अमित सिंह, काजेश घोष, रामबिहारी गुप्ता, सुरित राजवाड़े, सुशील मिश्रा, लखन राजवाड़े, अमित सोनी, योएल लकड़ा, अरविंद सिंह, रमेश याज्ञिक,नागेद्र सिंह, भूपेंद्र सिंह,संजय अम्बष्ट, राकेश दुबे, राजेश सिंह, विशाल गुप्ता, संतोष सिंह, संजय विश्वकर्मा, चंद्रशेखर सिंह, दीपक झा,प्रदीप सोनी, मदन मोहन, सत्यप्रकाश गुप्ता, नरेश पांडेय, लीलाकरण सिंह,सहित बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

पदोन्नति में टीईटी की अनिवार्यता से सरगुजा के शिक्षकों में असमंजस हजारों के प्रभावित होने की आशंका

■ टीईटी के नाम पर पदोन्नति न रोकी जाए, वरिष्ठता के आधार पर रिक्त पदों पर तत्काल पदोन्नति की मांग- कमलेश सिंह

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन ने जिला शिक्षा अधिकारी सरगुजा को प्रांतीय उपाध्यक्ष मुकेश मुदलियार व जिला अध्यक्ष कमलेश सिंह के नेतृत्व में सौंपा 10 सूत्रीय ज्ञापन। प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश स्तर पर भी उठाया जा रहा मुद्दा।शिक्षा विभाग द्वारा पदोन्नति में शिक्षक पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता को लेकर सामने आ रहे निर्देशों के बीच सरगुजा जिले के शिक्षकों में भी असमंजस की स्थिति निर्मित हो गई है। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन, जिला सरगुजा ने इस विषय को प्रमुखता से उठाते हुए जिला शिक्षा अधिकारी को सौंपे गए 10 सूत्रीय ज्ञापन में पूर्व प्रचलित नियमों के अनुसार रिक्त पदों पर पदोन्नति किए जाने की मांग की है। जिला अध्यक्ष कमलेश सिंह ने कहा कि सरगुजा जिले में बड़ी संख्या में शिक्षक लंबे समय से पदोन्नति की प्रतीक्षा कर रहे हैं। ऐसे में टीईटी के नाम पर यदि पदोन्नति प्रक्रिया प्रभावित होती है तो वर्षों से सेवा दे रहे वरिष्ठ शिक्षकों के हित प्रभावित होंगे। उन्होंने विभाग से अनुरोध किया कि वर्तमान प्रचलित भर्ती एवं पदोन्नति नियमों का परीक्षण कर स्थिति स्पष्ट की जाए तथा वरिष्ठता के आधार पर पात्र शिक्षकों की पदोन्नति प्रक्रिया शीघ्र पूरी की जाए। जिला शिक्षा अधिकारी को सौंपे गए 10 सूत्रीय ज्ञापन में एसोसिएशन ने सबसे प्रमुख रूप से मांग की है कि लोक शिक्षण संचालनालय रायपुर के निर्देशानुसार पूर्व प्रचलित नियमों के तहत बिना टीईटी परीक्षा की नई बाध्यता के रिक्त पदों पर पदोन्नति की जाए। प्रांतीय उपाध्यक्ष मुकेश मुदलियार ने कहा है कि यदि शिक्षकों को टीईटी उत्तीर्ण करने के लिए वर्ष 2028 तक का समय दिया गया है, तो 2028 से पहले होने वाली पदोन्नति प्रक्रिया में टीईटी के नाम पर वरिष्ठ शिक्षकों को पदोन्नति से अलग रखना उचित नहीं होगा। विभाग से अनुरोध किया गया है कि इस संबंध में स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जाएं, जिससे शिक्षकों के बीच असमंजस समाप्त हो और भविष्य में किसी प्रकार की न्यायिक अथवा प्रशासनिक जटिलता उत्पन्न न हो। संगठन ने यह भी मांग रखी है कि यदि टीईटी को पदोन्नति प्रक्रिया से जोड़ना आवश्यक माना जाता है तो विभाग स्वयं विभागीय शिक्षक पात्रता परीक्षा आयोजित करे, ताकि पात्र शिक्षकों को परीक्षा में शामिल होने का अवसर मिल सके और उनकी पदोन्नति प्रक्रिया अनावश्यक रूप से लंबित न हो। जिला अध्यक्ष कमलेश सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा इस विषय को लगातार शासन और शिक्षा विभाग के समक्ष मजबूती से उठा रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष का स्पष्ट मत है कि टीईटी के नाम पर वर्षों से सेवा दे रहे।

कलेक्टर ने खरसिया नाका चौक पहुंचकर जलभराव की स्थिति का लिया जायजा

■ सड़क निर्माण के साथ प्रभावी जल निकासी व्यवस्था सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

अम्बिकापुर। कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने आज खरसिया नाका चौक पहुंचकर क्षेत्र में जलभराव की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने लुचकी घाट से खरसिया नाका चौक तक राष्ट्रीय राजमार्ग पर बारिश के दौरान होने वाले जलभराव की समस्या के समाधान के लिए प्रस्तावित सड़क निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी ली। कलेक्टर ने संबोधित अधिकारियों को निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ करने तथा सड़क निर्माण के साथ प्रभावी एवं जल निकासी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अंबिकापुर एसडीएम को शासकीय भूमि का सर्वे कर जल निकासी के लिए व्यवस्था बनाने एवं अवैध अतिक्रमण तथा जल संसाधन विभाग के नहर में अवैध अतिक्रमण का निरीक्षण कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। लुचकी घाट से खरसिया नाका चौक, रेलवे स्टेशन एवं सीतापुर के शहरी क्षेत्र को शामिल करते हुए नवीन सड़क निर्माण कार्य स्वीकृत किया गया है। इस कार्य के लिए निविदा प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है तथा निर्माण कार्य मेसर्स जवाहरलाल गुप्ता, ठेकेदार, अंबिकापुर को प्राप्त हुआ है।

कलेक्टर श्री वसंत ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य को निर्धारित समय-सीमा में प्रारंभ कराते हुए गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराया जाए। कलेक्टर श्री वसंत ने क्षेत्र में जलभराव की समस्या से आम नागरिकों को होने वाली परेशानी को दूर करने के लिए सड़क निर्माण के साथ जल निकासी व्यवस्था को भी प्राथमिकता देने को कहा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जलभराव वाले क्षेत्रों का तकनीकी परीक्षण कर प्रभावी एवं जल निकासी के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण एवं जल निकासी से संबंधित सभी कार्य तकनीकी मानकों के अनुरूप हों तथा निर्माण कार्य की गुणवत्तायुक्त किए जाएं। राष्ट्रीय राजमार्ग के कार्यपालन अभियंता श्री आर.डी. ताम्रे ने कलेक्टर को निर्माण कार्य की जानकारी देते हुए बताया कि लुचकी घाट से खरसिया नाका चौक तक तथा गांधी चौक से रेलवे स्टेशन तक सीसी रोड का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सड़क निर्माण कार्य के साथ जल निकासी की समुचित व्यवस्था के लिए भी आवश्यक कार्य किए जाएंगे, जिससे बारिश के दौरान सड़क पर जलभराव की समस्या को प्रभावी रूप से दूर किया जा सके। कलेक्टर श्री वसंत ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़क निर्माण एवं जल निकासी से संबंधित सभी कार्यों में निर्धारित तकनीकी मानकों का पालन सुनिश्चित करते हुए समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण कराया जाए। उन्होंने निर्माण कार्य की नियमित निगरानी करने तथा कार्य की प्रगति से संबंधित आवश्यक जानकारी समय-समय पर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर श्री सुनील नायक, एसडीएम श्री बनसिंह नेताम, राष्ट्रीय राजमार्ग एसडीओ श्री निखिल लकड़ा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

गैर संक्रामक रोगों से मुकाबले के लिए हर्बल दवाएं बेहतर

गैर संक्रामक रोगों से मुकाबले के लिए हर्बल दवाएं काफी बेहतर हैं। हृदयरोग, कैंसर, स्ट्रोक इत्यादि गैर संक्रामक रोग (एनसीडी) के उपचार में इनका इस्तेमाल प्रभावी हो सकता है। सोसायटी फॉर एथनोफार्माकोलॉजी, केंद्रीय आयुष मंत्रालय और बॉयोटेक्नोलॉजी विभाग के संयुक्त सम्मेलन में भारत और दुनिया के विभिन्न देशों के विशेषज्ञों ने खास तौर पर गैर संक्रामक रोगों का मुकाबला करने में जड़ी-बूटियों पर आधारित दवाओं की भूमिका पर जोर दिया।

इस सम्मेलन में कनाडा, नाइजीरिया, संयुक्त राज्य अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया सहित 40 देशों के 60 से अधिक विशेषज्ञों ने सहभागिता की। कनाडा के टोरंटो से आए डॉ प्रदीप विसेन ने मधुमेह के टाइप-2 और कार्डियो वस्कुलर रोगों के संबंध में औषधीय पादपों की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। हृदय रोग, कैंसर और मधुमेह जैसे रोगों को पहले जहां सिर्फ संपन्न लोगों से जोड़ा जाता था, लेकिन विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के मुताबिक अब ये वैश्विक खतरा बन चुके हैं और गरीब इनसे सबसे ज्यादा पीड़ित हो रहे हैं। एमिल फार्मा ने मधुमेह से लड़ने में बीजीआर-34 दवा की भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि औषधीय पादपों से बनी यह दवा न सिर्फ नियमित रूप से रक्त में सर्करा की मात्रा को नियंत्रित करती है, बल्कि साथ ही हमारे मेटाबोलिज्म को भी नियंत्रित रखती है। बांग्लादेश के ढाका विश्वविद्यालय के औषध निर्माण विज्ञान विभाग ने अपने प्रजेंटेशन में कहा कि आधुनिक चिकित्सा पद्धति की बहुत सी दवाओं को इन रोगों में प्रभावी माना गया है, लेकिन इनमें कैंसर कारक तत्व होते हैं और ये लीवर को गंभीर क्षति पहुंचाती हैं। उनके अध्ययन में जड़ी-बूटियों में पाए गए प्राकृतिक तत्वों की प्रभावशीलता को रेखांकित किया है। इनके अलावा नाइजीरिया की टेक्सोकोलॉजी यूनिवर्सिटी ऑफ अबुजा ने कार्डियोवस्कुलर रोगों में पादपों के औषधीय महत्व पर चर्चा की। उन्होंने इसका अध्ययन जानवरों पर भी किया है। ऑस्ट्रेलिया में त्रिगोनेला लैब्स के निदेशक डॉ. दिलिप घोष ने मधुमेह के प्रबंधन में फेनुग्रीक बीज की भूमिका पर चर्चा की, जिसे संयुक्त राज्य अमेरिका में जीआरएएस (सामान्य तौर पर सुरक्षित) का दर्जा दिया।

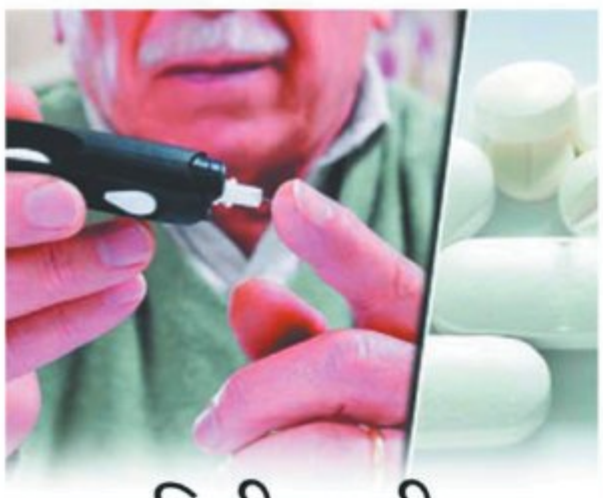

डायबिटीज की यह दवाई बना सकती है आपको दिल का मरीज

डायबिटीज से पीड़ित लोगों को कई तरह की सावधानियां बरतने के साथ ही इसे नियंत्रित रखने के लिए दवाइयों का सेवन भी करना पड़ता है.ऐसी ही दवाइयों में से एक है रोसिग्लिटाजोन, जो कि डायबिटीज टाइप-2 के मरीज खाते हैं.यूनाइटेड स्टेट्स फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने 1999 में इस दवा को अवांदिया ड्रग्स के नाम से मंजूरी दी थी.अभी हाल में हुए एक रिसर्च में यह बात सामने आयी है कि यह दवा खाने से दिल की बीमारी 33 प्रतिशत तक अधिक बढ़ सकती है. मेडिकल न्यूज टुडे की खबर के अनुसार, इसके दुष्प्रभावों को देखते हुए यूरोप में इस दवा के इस्तेमाल पर सख्त मनाही है.गौरतलब है कि अपने देश में इस दवा की बिक्री होती है.रिपोर्ट के अनुसार, न्यू हैवन के येल स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के जोशुआ डी वालेक के मुताबिक, दूसरों की तुलना में अवांदिया दवा खाने वाले लोगों में दिल से संबंधित बीमारी होने का खतरा 33 प्रतिशत ज्यादा हो जाता है.

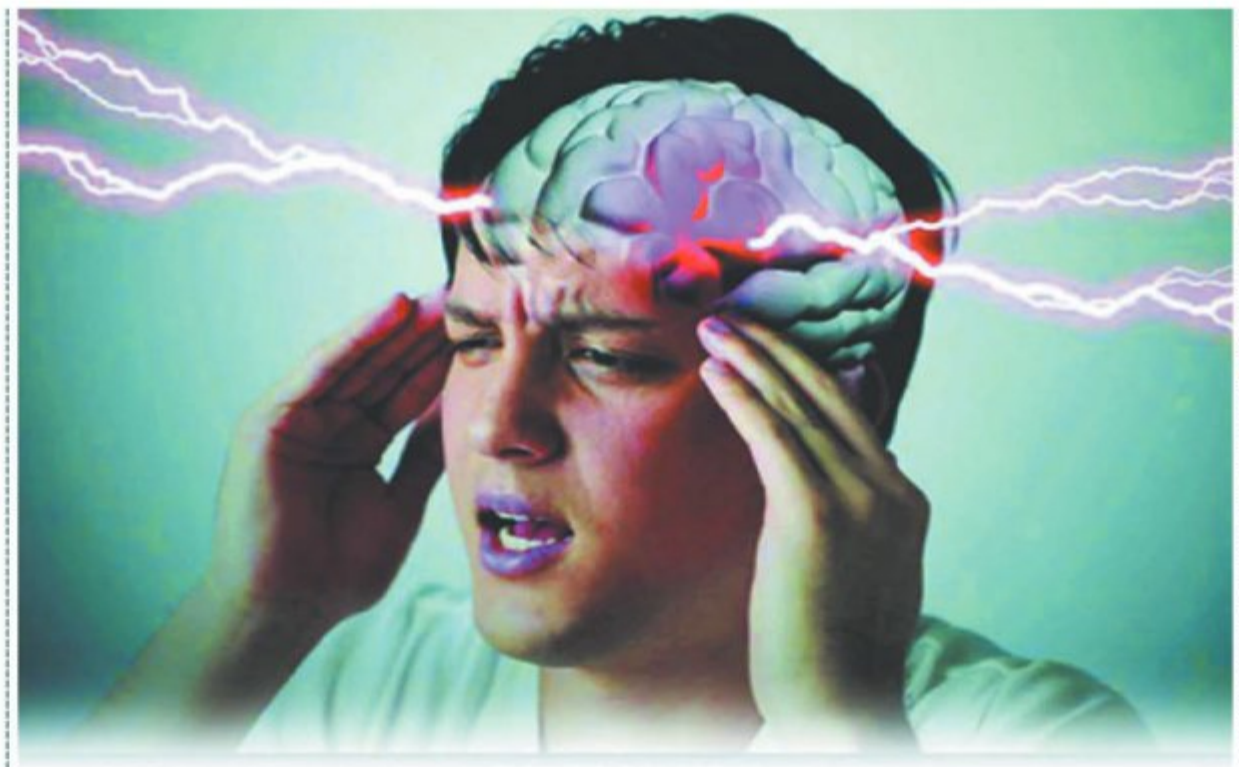

ब्रेन स्ट्रोक के जोखिम को कम करती है हेल्दी डाइट

खराब जीवनशैली की आदतों में तनाव, धूम्रपान, शराब का अत्यधिक सेवन, जंक फूड का सेवन और शारीरिक गतिविधि में कमी आदि शामिल हैं, जो भविष्य में स्ट्रोक का कारण बनती हैं, जबकि एक हेल्दी डाइट स्ट्रोक के 80 प्रतिशत मामलों को रोकने में मदद करती है. हेल्दी डाइट न केवल स्ट्रोक के जोखिम कारकों को कम करने में मदद करती है, बल्कि समग्र स्वास्थ्य को भी सही रखने में मदद करती है.स्ट्रोक के जोखिम को बढ़ाने वाले कारकों में उच्च रक्तचाप, डायबिटीज और कोलेस्ट्रॉल का उच्च स्तर शामिल हैं, जो हेल्दी डाइट की मदद से संतुलित रखे जा सकते हैं.

उच्च रक्तचाप को रोकने के लिए डाइट

विशेष आहार या पोषक तत्वों के सेवन की लिमिट को तय करने से कोई फायदा नहीं है. ऐसी कई डाइट गाइडलाइंस हैं, जो पूरे डाइट पैटर्न के पालन की सलाह देती हैं. इन गाइडलाइंस के अनुसार, मीट का सेवन कम-से-कम करना चाहिए और ताजा फल व सब्जियों का अधिक-से-अधिक सेवन करना चाहिए.सब्जियां, फल और कम वसा वाले डेयरी फूड (दूध, दही आदि) के साथ कम फैट वाला आहार उच्च रक्तचाप के स्तर को कम करने में मदद करता है. अपने खाने में मछली, गेहूं, नट्स और पोल्ट्री को शामिल करें और रेड मीट, मिठाई और चीनी वाले जूस या कोल्ड ड्रिंक आदि का सेवन कम कर दें.यह डाइट प्लान सही पोषण की मदद से रक्तचाप को संतुलित बनाये रखने में मदद करता है.यदि उच्च रक्तचाप को केवल हेल्दी डाइट और मेडिकेशन से रोका जा सकता है, तो स्ट्रोक के 90 प्रतिशत मामलों को भी रोका जा सकता है.

शाकाहारी आहार को अपनाने की जरूरत इस तरह के आहार में फैट कम नहीं होता है, लेकिन यह कम ग्लाइसेमिक वाला आहार होता है, जिसमें मात्र 40 प्रतिशत कैलोरी होती है. इससे केवल लाभकारी वसा मिलती है जैसे- जैतून व कनोला तेल से मिलने वाली वसा शरीर के लिए फायदेमंद होती है.इसके अलावा कैलोरी गेहूं, फल, सब्जियां और फलियां आदि से मिलती है.डायबिटीज और उच्च रक्तचाप वाले मरीजों में स्ट्रोक होने का खतरा सबसे ज्यादा होता है.डायबिटीज रक्त वाहिकाओं और नसों को नुकसान पहुंचा सकती हैं, जो स्ट्रोक का कारण बनती है. विभिन्न अध्ययनों के अनुसार, दालचीनी, मेथी के बीज, हल्दी की चाय, जीरा, लहसुन, इलायची, सौंफ, अदरक, आंवला, पालक, लौकी, फाइबर युक्त आहार, बादाम, करेला आदि चीजों को अपनी डाइट में शामिल करने से स्ट्रोक के खतरे में 47 प्रतिशत कमी लायी जा सकती है.रिपोर्ट्स के अनुसार, कोलेस्ट्रॉल का सेवन कम-से-कम किया जाना चाहिए.मछली या चिकन की तुलना में रेड मीट में फैट चार गुना ज्यादा होता है, जो स्ट्रोक के खतरे को अधिक बढ़ाता है.

कैसी डाइट का पालन करें

जिन मरीजों में स्ट्रोक की आशंका अधिक है, उन्हें मीट, रेड मीट और अंडे के पीले हिस्से के सेवन से बचना चाहिए.उन्हें लाभकारी तेल जैसे- जैतून और कनोला के तेल, गेहूं, सब्जियां, फलों और फलियों को अपनी डाइट में शामिल करना चाहिए.अंडे का सफेद हिस्सा प्रोटीन का अच्छा स्रोत होता है, इसलिए ऑमलेट और अंडे व सलाद से बने सैंडविच का सेवन करना चाहिए.बस ध्यान रखें कि उसमें अंडे का पीला हिस्सा नहीं होना चाहिए.

शराब का सेवन करने से बचें

शराब ब्रेन हेमरेज का खतरा बढ़ाता है.शराब से रक्तचाप का स्तर भी बढ़ता है, जिससे धमनी की अंदरूनी दीवार को नुकसान पहुंचता है.इसका यह मतलब है कि मस्तिष्क में खून का प्रवाह कम हो जाता है.शराब के अधिक सेवन से हृदय को भी नुकसान पहुंचता है, जिससे धड़कनों में गड़बड़ी की समस्या होती है.इसके परिणामस्वरूप, हृदय में थक्के बन सकते हैं, जिससे मस्तिष्क में खून का प्रवाह कम हो सकता है.

धूम्रपान करना बंद करें

स्ट्रोक निकोटिन से नहीं, बल्कि धुएं से होता है.आपको जान कर आश्चर्य होगा कि धूम्रपान स्ट्रोक के खतरे को तीन गुना बढ़ा देता है, इसलिए इसका सेवन बंद करना आवश्यक है.जब आप धूम्रपान करते हैं, आप धुएं को अंदर लेते हैं, जिसमें 7000 से ज्यादा जहरीले केमिकल मिले होते हैं.ये केमिकल आपके फेफड़ों से गुजरते हुए आपके पूरे शरीर के खून में मिल जाते हैं, जो शरीर की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाती हैं.

4 से 5 घंटे के अंदर स्ट्रोक का उपचार संभव

स्ट्रोक का उपचार के लिए यह जानना सबसे जरूरी है कि स्ट्रोक किस प्रकार का है व इससे मस्तिष्क का कौन-सा भाग प्रभावित हुआ है.इसके अलावा जल्दी-से-जल्दी मरीज को अस्पताल ले जाने की जरूरत होती है. स्ट्रोक के द्वारा जो नुकसान होता है, उसे रोकने के लिए क्लॉट बस्टिंग ड्रग्स के पास 4 से 5 घंटे से कम का समय होता है.जिन मरीजों के मस्तिष्क की बड़ी धमनियां ब्लॉक हो गयी हैं, उनके लिए मैकेनिकल थ्रॉम्बेक्टोमी की सलाह सबसे अधिक दी जाती है.ब्लॉक हुई धमनियों को खोलने के लिए, डॉक्टर मूल क्षेत्र की धमनी से मस्तिष्क के प्रभावित क्षेत्र के लिए एक केथेटर डालते हैं. स्टेंट खुलता है और क्लॉट को जकड़ लेता है, डॉक्टर उस स्टेंट को क्लॉट सहित बाहर निकाल लेते हैं. इसके लिए खास सक्शन ट्यूब का भी प्रयोग होता है.यह प्रक्रिया स्ट्रोक के गंभीर लक्षणों के 6 घंटे के अंदर की जानी चाहिए. 80 प्रतिशत से अधिक मरीजों में ब्लॉकिज को खोल दिया जाता है और धमनियों में प्रवाह को पुन: स्थापित कर दिया जाता है. इससे लगभग 60 प्रतिशत मरीजों की हालत में तेजी से सुधार आता है.

शुरुआती लक्षण और संकेत

- देखने में अचानक दिक्कत होना
- चक्कर आना
- चलने में अचानक तकलीफ
- बोलने में दिक्कत
- चेहरे में अचानक संवेदनशून्यता का आभास
- तेज सिरदर्द
- अचानक भ्रम की स्थिति व समझने में दिक्कत
- बांह में अचानक संवेदन शून्यता या कमजोरी

नोट : आमतौर पर सबाराकनॉइड हेमरेज में बिना वजह अचानक भयंकर सिरदर्द होने लगता है.इसके साथ ही उल्टी, दौरा या मानसिक चेतना का अभाव जैसी शिकायतें भी होती हैं.इन मामलों में नॉन-कॉन्ट्रास्ट सीटी स्कैन तत्काल करा लेना चाहिए.

योग व ध्यान से होता है तेज दिमाग

योगियों के ध्यान व योग से दिमाग तेज होने वाले दावे की पुष्टि हुई है। एक नए शोध में यह सामने आया है कि ध्यान व श्वास से जुड़े व्यायाम जैसे प्राणायाम दिमाग को मजबूत बनाने व कार्यों पर ध्यान केंद्रित करने में मददगार साबित होता है। डबलिन के त्रिनिटी कॉलेज के शोध के प्रमुख खोजकर्ता इयॉन रॉबर्टसन ने कहा, 'हमारा शोध बताता है कि श्वास केंद्रित व्यायाम व दिमाग की स्थिरता के बीच मजबूत संबंध है।' इस शोध के निष्कर्षों का प्रकाशन पत्रिका 'साइकोफिजियोलॉजी' में किया गया है। इसमें श्वसन व ध्यान के बीच न्यूरोफिजियोलॉजिकल संबंध को बताया गया है। शोध से पता चलता है कि सांस लेना ध्यान का एक प्रमुख तत्व व दिमागी व्यायाम है। यह सीधे तौर पर दिमाग में प्राकृतिक रासायनिक संदेशवाहक के स्तर को प्रभावित करता है, जिसे नॉरएड्रीलीन कहते हैं। यह रासायनिक संदेशवाहक हमारे चुनौती, उत्सुकता, व्यायाम, ध्यान केंद्रित या भावनात्मक रूप से उत्तेजित होने पर जारी होते हैं, यदि यह सही स्तर पर उत्पन्न होते हैं तो यह दिमाग को नए संपर्क बनाने में मदद करते हैं। यह दिमाग के लिए टॉनिक के तौर पर काम करता है।

डिप्रेशन-एसिडिटी से दूर रखता है टमाटर

टमाटर का स्वाद थोडा खट्टा थोडा मीठा। टमाटर हर सब्जी को स्वादिष्ट और जायकेदार बनाता है, यह तो सब जानते हैं लेकिन एक नए अध्ययन में इसके एक अन्य गुण का पता चला है कि यह अवसाद से दूर रखने में सहायक है। टमाटर में भरपूर मात्रा में विटामिन सी, कैल्शियम, फास्फोरस पाये जाते हैं। एसिडिटी की शिकायत होने पर टमाटरों की खुराक बढाने से यह शिकायत दूर हो जाती है।

अनुसंधानकर्ताओं ने इसके लिए 70 अथवा उससे अधिक उम्र के करीब 1000 पुरूष और महिलाओं के भोजन की आदत और उनके मानसिक स्वास्थ्य का विश्लेषण किया।

- टमाटर ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए बहुत लाभकारी होता है।
- टमाटर खान से स्किन जवां देखती है और त्वचा से संबंधित रोग नहीं होते है। यानी टमाटर आपको जवां रखता है।
- चीन और जापान के अनुसंधानकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययन में पाया गया कि अन्य फलों और सब्जियों के सेवन से यह लाभ नहीं मिलता। मानसिक रूप से स्वस्थ रहने में गोभी गाजर प्याज और कद्दू में बहुत कम लाभदायक हैं या बिल्कुल भी फायदेमंद नहीं हैं।
- उन्होंने पाया कि जो लोग एक हफ्ते में दो से छह बार टमाटर खाते हैं उन्हें उन लोगों की तुलना में अवसाद से पीडित होने का खतरा 46 प्रतिशत कम होता है जो हफ्ते में केवल एक बार टमाटर खाते हैं अथवा नहीं खाते। अनुसंधानकर्ताओं ने इसके लिए 70 अथवा उससे अधिक उम्र के करीब 1000 पुरूष और महिलाओं के भोजन की आदत और उनके मानसिक स्वास्थ्य का विश्लेषण किया।
- टमाटर में एंटीआक्सीडेंट रसायन काफी होता है जो कुछ बीमारियों से बचाने में मददगार होता है।

हाजमा दुरुस्त करती है अदरक

अदरक का भारतीय मसालों में खूब प्रयोग किया जाता है। यही नहीं अदरक मॉनसून सीजन में बीमारियों से भी बचाती है। अदरक में कैल्शियम, आयरन, कॉपर, मैग्नीशियम जिंक आदि मिनरल भरपूर मात्रा में पाये जाते हैं। तो आइए जानते हैं अदरक के लाभकारी गुणों के बारे में

- अदरक का रस कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल रखता है, जिससे दिल की बीमारी की संभावना घट जाती है। अगर अदरक नियमित रूप से सेवन हो तो पाचन संबंधी समस्याएं जैसे- गैस, बदहजमी, अपच दूर हो जाती है।
- बीमारियों से जैसे नाक से पानी बहना, सिरदर्द और सर्दी को तुरंत दूर कर देती है। एक कप अदरक, शहद और तुलसी के पत्तो वाली याय बनाकर पीने से जुखाम में राहत मिलती है।
- अगर जोडो के दर्द से परेशान है तो सूखी अदरक के पाउडर का सेवन करने से जोडो में पैदा होने वाली सूजन और दर्द से छुटकारा मिलता है। अदरक में कैल्शियल, आयरन, कॉपर, मैग्नीशियम जिंक आदि मिनरल भरपूर मात्रा में पाये जाते हैं।
- त्वचा में चमक लाये- चेहरे पर अदरक का पेस्ट लगाकर कुछ देर छोड दें। फिर पानी से धो लें कुछ ही दिनों में चेहरा चमकने लगेगा।
- अदरक के 10 से 20 मिलीलीटर रस में गुड मिलाकर सुबह-सुबह पी लें। इससे सभी प्रकार की सूजन जल्दी ही कम हो जाती है।

आंखों को स्वस्थ रखने के लिए रोजाना खाएं संतरा

अगर आप अपनी उम्र के साथ अपनी आंखों को स्वस्थ रखना चाहते हैं और अपनी दृष्टि नुकसान को रोकना चाहते हैं, तो हर रोज एक संतरे का सेवन काफी मददगार हो सकता है। ऐसा एक शोध में सामने आया है। आंख में मैकुलर क्षय उम्र से जुड़ी हुई एक स्थिति है, जिससे दृष्टि क्षेत्र के केंद्र में दिखाई देने में दिक्कत आती है। शोध के नतीजे बताते हैं कि जिन लोगों ने हर रोज कम से कम एक बार संतरे खाए, उनमें 15 साल बाद मैकुलर क्षय के विकसित होने की संभावना 60 फीसदी कम रही। यह प्रभाव संतरे में मौजूद फ्लेवोनवाएड्स की वजह से हैं, जो दृष्टि हानि को रोकता है। फ्लेवोनवाएड्स प्रभावशाली एंटीऑक्सिडेंट होते हैं, जो करीब सभी फलों और सब्जियों में पाए जाते हैं। यह इम्यून सिस्टम के लिए फायदेमंद है। सिडनी विश्वविद्यालय की बामिनि गोपीनाथ ने कहा, हमने पाया कि जिन लोगों ने हर रोज संतरे खाए थे, उनमें कभी संतरे नहीं खाने वालों की तुलना में मैकुलर क्षय होने का खतरा कम था। उन्होंने कहा, यहां तक कि हफ्ते में एक बार संतरा खाने से भी महत्वपूर्ण लाभ दिखाई देता है। इस शोध को अमेरिकी पत्रिका, क्लिनिकल न्यूट्रिशन में प्रकाशित किया गया है। इसमें शोध दल ने 2000 लोगों पर अध्ययन किया, जिनकी आयु 50 साल से ऊपर थी।

नगर निगम ने जब्त किए ठेले, मालिक दो दिनों में नहीं ले गए तो होगी नीलामी

शहर में अवैध कब्जों पर निगम प्रशासन लगातार कर रहा कार्रवाई

राजनांदगांव। यातायात बांधित करने वाले तथा साफ -सफाई प्रभावित करने वाले ठेला खोमचा निगम का अतिक्रमण दस्ता द्वारा जब्त कर टांकाघर परिसर में रखा गया है। उसे तीन दिवस के अंदर ले जाने निगम आयुक्त जीआर मरकाम ने संबंधित ठेला मालिकों से कहा है। ठेला नहीं ले जाने की स्थिति में निगम द्वारा विधिवत नीलाम की जाएगी। ज्ञात हो कि सड़क किनारे एंव सार्वजनिक स्थलों में अतिक्रमण कर ठेला-खोमचा लगाने से यातायात व्यवस्था में व्यवधान को देखते हुए तथा साफ -सफाई प्रभावित होने को ध्यान में रखकर नगर निगम का अतिक्रमण दस्ता शहर में निरीक्षण कर एंव शिकायत के आधार पर ठेला हटाने की कार्रवाई किए। ठेला नगर निगम के टांकाघर में रखा गया है। ठेला ले जाने कहा गया है, इस पर यदि ध्यान नहीं दिया गया तो उसकी नीलामी की जावेगी। तीन

दिवस के भीतर संबंधित ठेला मालिक अपना ठेला ले जा सकते है, निर्धारित अवधि के पश्चात नीलाम की जाएगी।

नगर निगम लगातार कर रहा कार्रवाई

शहर में कई स्थानों पर कब्जा कर दुकानें लगाई गई हैं। लंबे समय से नगर निगम इन पर कार्रवाई करता आ रहा है। हाल ही में कई स्थानों से ठेला-खोमचों को हटाया गया। जब्ती बनाकर टांकाघर में रखा गया है। आमतौर पर ठेला मालिक उसे लेने नहीं आते और वह नगर निगम के कबाड़ बनकर सिरदर्द बन जाता है। इसे देखते हुए अब नगर निगम इसकी नीलामी कराने का निर्णय ले चुका है। इसके लिए अल्टीमेटम भी दिया गया है। यदि ठेला मालिक उसे लेने नहीं आते हैं तो उसकी नीलामी कर दी जाएगी। इसके बाद नगर निगम की जिम्मेदारी नहीं होगी, यह स्पष्ट कर दिया गया है।

शिशु संरक्षण माह 18 अगस्त से होगा शुरू, जिपं सीईओ ने ली मीटिंग, अधिकारियों को निर्देश

6 माह से 5 वर्ष के बच्चों का टीकाकरण और विटामिन ए एवं आईएफएससी सिरप पीलाई जाएगी

राजनांदगांव। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में शिशु संरक्षण माह के सफल क्रियान्वयन के लिए जिला टॉस्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। सीईओ जिला पंचायत दुर्गा प्रसाद अधिकारी ने कहा कि शिशु संरक्षण माह का आयोजन 18 अगस्त से 24 सितंबर 2026 तक किया जाएगा। इस दौरान 6 माह से 5 वर्ष के सभी बच्चों का टीकाकरण 17 आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से विटामिन ए एवं आईएफए एससी सिरप पीलाई जाएगी।

उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग, पंचायत विभाग, स्वास्थ्य विभाग को संयुक्त रूप से साथ कार्य करने के निर्देश दिए। सीईओ जिला पंचायत ने 6 माह से 5 वर्ष के सभी अभिभावकों से अपने बच्चों के समग्र शारीरिक, बौद्धिक एवं मानसिक विकास के लिए निर्धारित टीकाकरण सत्रों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में पहुंचकर विटामिन ए एवं आईएफए सिरफ पिलाने की अपील की। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन ने बताया कि शिशु संरक्षण माह के दौरान 6 मंगलवार एवं 6 शुक्रवार को विशेष टीकाकरण सत्र आयोजित किया जाएंगा। जिनमें 95 हजार 443 बच्चों को आईएफए सिरप तथा 90 हजार 141 बच्चों को विटामिन ए का सिरप पिलाने का लक्ष्य रखा गया है।

कुपोषण व अन्य बीमारियों के रोकथाम में मिलेगी मदद

विटामिन ए के सेवन से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। आंखों की सुरक्षा होती है तथा बाल मृत्यु दर में कमी आती हैं। इसके साथ ही दस्त, खसरा, रतौंधी जैसे रोग से बचाव के साथ कुपोषण की रोकथाम में भी मदद मिलती है। बैठक में अपर कलेक्टर सीएल मारकण्डेय, अपर कलेक्टर प्रेमप्रकाश शर्मा, नगर निगम आयुक्त जीआर मरकाम, एसडीएम राजनांदगांव गौतम पाटिल, एसडीएम डोंगरगांव अनिकेत साहू, एसडीएम डोंगरगढ़ विश्वास कुमार, डॉ. बीएल तुलावी सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण को लेकर बढ़ा विवाद, पार्षद ने एसडीएम पाटन को सौंपा ज्ञापन

अमलेश्वर। नगर पालिका परिषद अमलेश्वर के वार्ड क्रमांक 03 माँ शीतला नगर में सरकारी भूमि पर कथित अवैध निर्माण को लेकर विवाद गहरा गया है। वार्ड पार्षद राजू सोनकर एवं एल्डरमैन रामाधार साहू ने वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पाटन को ज्ञापन सौंपकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन सौंपने के दौरान सांसद प्रतिनिधि राजेश चंद्राकर, भाजपा नेत्री एवं सरपंच गायत्री साहू, ओमप्रकाश साहू सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। पार्षद राजू सोनकर ने पत्र क्रमांक 25, दिनांक 10 अगस्त 2026 का उल्लेख करते हुए बताया कि वार्ड क्रमांक 03 स्थित गौठान के समीप सरकारी जमीन पर अवैध रूप से खरीदी-बिक्री कर भवन निर्माण कराया जा रहा है। इस संबंध में पूर्व में तहसील कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई जा चुकी है। साथ ही नगर पालिका परिषद अमलेश्वर द्वारा संबंधित निर्माणकर्ता को नोटिस जारी कर निर्माण कार्य पर रोक लगाने के निर्देश भी दिए गए थे। इसके बावजूद कथित अवैध निर्माण कार्य जारी रहने का आरोप लगाया गया है। पार्षद ने कहा कि शिकायत और नोटिस के बाद भी अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है, जिससे स्थानीय लोगों में नाराजगी है।

कुम्हारी में शान से निकली भव्य 'तिरंगा यात्रा', देशभक्ति के नारों से गूंजा नगर

नगर पालिका अध्यक्ष मीना वर्मा द्वारा वंदे मातरम गायन व तिरंगा शपथ के बाद शुरू हुई यात्रा, पार्षदों व कर्मचारियों ने लिया हिस्सा

कुम्हारी। राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में नगर पालिका परिषद, कुम्हारी के तत्वावधान में एक विशाल और भव्य 'तिरंगा यात्रा' का आयोजन किया गया। इस गौरवशाली यात्रा ने पूरे कुम्हारी नगर को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। कार्यक्रम की शुरुआत में नगर पालिका अध्यक्ष मीना वर्मा ने वंदे मातरम का गायन शुरू किया, जिसमें सभी जन-प्रतिनिधियों और अधिकारियों ने स्वर मिलाया। इसके बाद उपस्थित जन-समूह को राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा और राष्ट्र के प्रति निष्ठा की शपथ दिलाई गई। इसके पश्चात हाथों में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा थामे हुए जन-प्रतिनिधियों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय एकता का अद्भुत संदेश दिया। इस भव्य तिरंगा यात्रा का नेतृत्व नगर पालिका अध्यक्ष मीना वर्मा और मुख्य नगर पालिका अधिकारी नेतराम चंद्राकर ने किया। यात्रा में नगर पालिका निकाय के समस्त सम्मानीय पार्षदगणों के साथ-साथ नगर पालिका के सभी अधिकारी और कर्मचारी पूरे उत्साह व जोश के साथ सम्मिलित हुए। यात्रा के दौरान 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के नारों से पूरा नगर गुंजायमान हो उठा। नगर पालिका कार्यालय से शुरू हुई यह तिरंगा यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। यात्रा में शामिल सभी लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था, और नगरवासियों ने भी जगह-जगह इस यात्रा का स्वागत किया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष मीना वर्मा ने कहा कि, तिरंगा हमारी आन, बान और शान का प्रतीक है। यह यात्रा हमारे अमर शहीदों को नमन करने और नई पीढ़ी में राष्ट्रभक्ति का संचार करने का एक माध्यम है। वहीं, नेतराम चंद्राकर ने सभी अधिकारी-कर्मचारियों और नगरवासियों को राष्ट्रीय पर्व की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने राष्ट्र की एकता और अखंडता को बनाए रखने का संकल्प लिया।

भाजपा अमलेश्वर मंडल ने निकाली भव्य तिरंगा यात्रा, बच्चों व जनप्रतिनिधियों की रही उत्साहपूर्ण सहभागिता

अमलेश्वर। देशभक्ति, राष्ट्रगौरव एवं राष्ट्रीय एकता की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी अमलेश्वर मंडल द्वारा मंगलवार 11 अगस्त 2026 को मंडल अध्यक्ष कमलेश चंद्राकर के नेतृत्व में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। तिरंगा यात्रा का शुभारंभ प्रातः 11 बजे अटल परिसर अमलेश्वर से हुआ। यात्रा अमलेश्वर से प्रारंभ होकर सांकरा, मोतीपुर, अमलीडीह, जामगांव एम, रुही होते हुए ग्राम झीट पहुंची, जहां इसका समापन किया गया। पूरे मार्ग में देशभक्ति के नारों और तिरंगे की शान ने वातावरण को राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत कर दिया। इस भव्य आयोजन में जिला पंचायत दुर्ग की सभापति नीलम राजेश चंद्राकर, जनपद पंचायत पाटन की अध्यक्ष कीर्ति नायक, नगर पालिका परिषद अमलेश्वर के अध्यक्ष दयानंद सोनकर तथा सांसद प्रतिनिधि राजेश चंद्राकर, जनपद सदस्य दामिनी राकेश साहू प्रमुख रूप से शामिल हुए। तिरंगा यात्रा में स्वामी आत्मानंद स्कूल अमलेश्वर के छात्र-छात्राओं ने भी उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया तथा अमलेश्वर नगर का भ्रमण किया। इस दौरान शिक्षक-शिक्षिकाएं तथा नगर पालिका अमलेश्वर के अधिकारी-कर्मचारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मंडल महामंत्री कैलाश यादव एवं धर्मेंद्र कौशिक, युवा मोर्चा अध्यक्ष रवि सिंगौर, कोषाध्यक्ष राजू साहू, जिला ओबीसी मोर्चा उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सोनकर, मोहन लोधी, कमलेश्वरी साहू, गायत्री साहू, मधुकांता साहू, रेवती सोनकर,नगर पालिका अमलेश्वर के पार्षद डॉ. आलोक पाल, राजू सोनकर, नीलम मिंज, ललिता कुमार साहू, एल्डरमैन रामाधार साहू, सुनील शर्मा, हीरालाल साहू, पार्षद प्रतिनिधि कुमार साहू, भाजपा नेता अजीत ठाकुर, शिवा साहू, सुखदेव साहू, मनीष कोसले, कामता प्रसाद सिंगौर सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं आमजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने कहा कि तिरंगा यात्रा केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि देश के प्रति सम्मान, एकता और समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने युवाओं और बच्चों से राष्ट्रहित में सदैव अग्रणी भूमिका निभाने का आह्वान किया।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर बच्चों को खिलाई गई एल्बेंडाजोल की गोली

दुर्ग। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर जिले में 0 से 19 वर्ष तक के बच्चों को कृमिनाशक दवा एल्बेंडाजोल खिलाने के अभियान का शुभारंभ किया गया। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी के मार्गदर्शन में शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला महमरा में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत दुर्ग की स्वास्थ्य समिति सभापति प्रिया साहू ने बच्चों को एल्बेंडाजोल की गोली खिलाकर किया। इस दौरान बच्चों को कृमि संक्रमण से बचाव, स्वच्छता एवं संक्रमण रोकने के उपायों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में सरपंच नर्मदा ठाकुर, उपसरपंच केवल निषाद सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। अभियान के तहत छूटे हुए बच्चों को 17 अगस्त 2026 को एल्बेंडाजोल की दवा खिलाई जाएगी। मुख्य अतिथि ने जिले के अभिभावकों, शिक्षकों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं मितानिनों से अधिक से अधिक बच्चों को अभियान से जोड़कर लक्ष्य प्राप्त करने में सहयोग की अपील की।

कल्याणी इस्पात में मजदूर की मौत का मामला : मालिक, इंचार्ज और सुपरवाइजर पर एफआईआर

बीते अप्रैल में हुई थी घटना, पुलिस की धीमी जांच चार महीने बाद हुआ अपराध दर्ज

सोमनी इलाके के उद्योगों में कई हादसे हुए, कई मामले में पेंडिंग

राजनांदगांव। सोमनी थाना क्षेत्र में कल्याणी इस्पात संयंत्र में काम करने के दौरान हुई मजदूर की मौत के मामले में आखिरकार चार महीने बाद पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ कायम कर लिया है। लंबे समय तक पुलिस ने इस मामले को जांच बताकर पेंडिंग रखा था। इसके बाद उस पर एक्शन लिया गया है। इसमें मालिक, साइड इंचार्ज और सुपरवाइजर पर एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार बीते 4 अप्रैल को कल्याणी इस्पात संयंत्र के हापर में ग्राईंडिंग का कार्य कराने के दौरान हापर ढह जाने से हापर के अंदर कार्य कर रहे मजदूर प्रकाश कोले को गंभीर चोट आई और उसकी मौत हो गई। इस पर मर्ग कायम कर जांच शुरू की। अप्रैल महीने से लेकर अभी अगस्त का आधा महीना निकल जाने तक इस मामले में अपराध कायम नहीं किया गया। अब इसमें सामने आया है कि कर्मचारी प्रकाश कोले से बिना किसी सुरक्षा उपायों के जैसे हेलमेट, सेफ्टी बेल्ट, आदि के जोखिम भरा कार्य कराया जा रहा था। उसी दौरान यह हादसा हुआ और उसकी मौत हो गई।

इन लोगों पर पुलिस ने की कार्रवाई

बताया गया कि सिद्धी विनायक इंजीनियरिंग के स्वामी जसमिता बेहरा, साईड इंचार्ज आशीष कुमार बेहरा, एवं साईड सुपरवाईजर टोटन बेरा के द्वारा कार्य के दौरान लापरवाही पूर्वक कार्य किया गया है। इसमें मृतक प्रकाश कोले की मृत्यु हुई। जो अपराध धारा 106(1), 3(5) बीएनएस0 का घटित करना पाये जाने से आरोपीयों के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

महापौर ने ली बैठक, प्रभारी आयुक्त ने अधिकारियों-कर्मचारियों को सौंपी जिम्मेदारियां

हरेली तिहार पर हरियाली का संकल्प, न्यू कृषि मंडी से होगा वृक्षारोपण की शुरुआत

दुर्ग। हरेली तिहार के पावन अवसर पर पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम को सफल एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए महापौर अलका बाघमार ने आज अपने कक्ष में अधिकारियों एवं कर्मचारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि हरेली छत्तीसगढ़ की संस्कृति और प्रकृति से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। इस अवसर पर अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनके संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लिया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वृक्षारोपण केवल पौधे लगाने तक सीमित न रहे, बल्कि लगाए गए पौधों की नियमित देखरेख एवं सुरक्षा की भी जिम्मेदारी सुनिश्चित की जाए। महापौर के निर्देशानुसार 12 अगस्त 2026, बुधवार को हरेली तिहार के अवसर पर न्यू कृषि मंडी, धमधा रोड, दुर्ग में प्रातः 10:00 बजे वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिकों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ ही शहर को अधिक हरा-भरा एवं स्वच्छ बनाने का संदेश देना है। बैठक के दौरान लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, पर्यवारण प्रभारी काशीराम कोसरे,नरेंद्र बंजारे, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, पार्षद गुलाब वर्मा, प्रभारी आयुक्त मोहेंद्र साहू, कार्यपालन अभियंता मोहम्मद सलीम सिद्दीकी, सहायक अभियंता हरिशंकर साहू, उद्यान प्रभारी अनिल सिंह सहित अन्य मौजूद रहें। कार्यक्रम को व्यापक एवं सुगम बनाने के लिए प्रभारी आयुक्त मोहेंद्र साहू द्वारा संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। कार्यक्रम के सफल संचालन, स्थल व्यवस्था, पौधों की उपलब्धता, सुरक्षा, स्वच्छता एवं अन्य व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। कार्यक्रम के लिए मो. सलीम सिद्दीकी, कार्यपालन अभियंता को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। नोडल अधिकारी के मार्गदर्शन में विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करेंगे।

नगर निगम द्वारा हरेली तिहार के अवसर पर शहरवासियों से भी अधिक से अधिक संख्या में सहभागी बनने तथा पौधारोपण के साथ-साथ पौधों की नियमित देखभाल करने की अपील की गई है। हरेली के पर्व पर एक पौधा प्रकृति के नाम का संदेश देते हुए पर्यावरण संरक्षण को जनअभियान का रूप देने का प्रयास किया जा रहा है।

हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा अभियान के तहत भिलाई में निकली भव्य तिरंगा रैली

भिलाईनगर। शासन के निर्देशानुसार हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा अभियान के प्रचार-प्रसार एवं नागरिकों में राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान और जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा मंगलवार को भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। तिरंगा रैली की शुरुआत पावर हाउस चौक से हुई। रैली नंदिनी रोड होते हुए शहर के प्रमुख चौक-चौराहों से गुजरी और पुनः पावर हाउस चौक पहुंचकर इसका समापन किया गया। रैली के दौरान हाथों में तिरंगा लेकर शामिल अधिकारी-कर्मचारियों एवं स्वच्छता दीदियों ने नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान एवं उसकी गरिमा बनाए रखने के लिए जागरूक किया। रैली के दौरान पूरे मार्ग पर देशभक्ति का माहौल नजर आया। प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भारत माता की जय के जयघोष लगाए। तिरंगे के प्रति सम्मान और राष्ट्रभक्ति की भावना से ओत-प्रोत इस रैली ने नागरिकों को हर घर तिरंगा अभियान से जुड़ने का संदेश दिया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com